

وَمَنْ دَابَّ فِي الْأَرْضِ عَلَى اللَّهِ رُزْقَهَا وَيَعْلَمُ
مُسْتَقَرَّهَا وَمُسْتَوْدَعَهَا كُلِّ فِي كِتَابٍ مُبِينٍ ۝
وَهُوَ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ فِي سِتَّةِ
أَيَّامٍ وَكَانَ عَرْشُهُ عَلَى الْمَاءِ لِيَبْلُوَكُمْ أَيُّكُمْ
أَحْسَنُ عَمَلًا ۚ وَلَئِنْ قُلْتَ إِنَّكُمْ مَبْعُوثُونَ مِنْ
بَعْدِ الْمَوْتِ لَيَقُولَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا إِنْ هَذَا
إِلَّا سِحْرٌ مُبِينٌ ۝ وَلَئِنْ أَخَّرْنَا عَنْهُمْ الْعَذَابَ إِلَى
أَمَةٍ مَعْدُودَةٍ لَيَقُولَنَّ مَا يَحْبِسُهُ ۚ أَلَا يَوْمُ
يَأْتِيهِمْ لَيْسَ مَصْرُوفًا عَنْهُمْ وَحَاقَ بِهِمْ مَا كَانُوا
بِهِ يَسْتَهْزِئُونَ ۝ وَلَئِنْ أَذَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنَّا رَحْمَةً
ثُمَّ نَزَعْنَاهَا مِنْهُ ۚ إِنَّهُ لَكَيُّوسٌ كَفُورٌ ۝ وَلَئِنْ
أَذَقْنَاهُ نَعْمَاءَ بَعْدَ ضَرَاءٍ مَسَّاهُ لَيَقُولَنَّ ذَهَبَ
السَّيِّئَاتُ عَنِّي ۚ إِنَّهُ لَفَرِحٌ فَخُورٌ ۝ إِلَّا الَّذِينَ
صَلُّوا

वमा मिन दावतिन हिल अरदि
और अभीन पर यलनेवाला कोई ऐसा नहीं

धल्ला अलल्लाहि रिमकुहा व यर-लमु
जिसका रिमक अल्लाहके जिम्ममे करम पर न हो और जानता है

मुस्तकर-रहा व मुस्तप्-द-अहा
के कहां ठेकरेगा और कहां सुपुर्द डोगा,

कुल्लुन ही किताबिम मुजीन
सब कुछ एक साफ़ बयान करनेवाली किताबमें है.

वहुवल लगी ज-लकस समावाति वल
और वही है जिसने आसमानों और

अर्दा ही सिल्लति अय्यामिप् व काना
अभीन को छे दिनमें बनाया और

अरशुह अ-लल माध लि-यल्लु-वकुम अय्युकुम अह-सनु अ-मला
उसका अर्श पानी पर था के तुम्हें आजमाओ तुममें किसका काम अच्छा है,

व ल-धन कुल्ला धन्नकुम मउसून मिम जर-दिल मप्ति ल-यकूलन्नल
और अगर तुम इरमाओ के बेशक तुम मरने के बाद उठाओ जाओगे तो

लगीना क-इरू धन हागो धल्ला सिहरुम मुजीन व ल-धन अज्जरना
काकिर जरूर कहेगे के ये तो नहीं मगर भुला जादू. और अगर हम

अन्हुमुल अजाभा धलो उम्मतिम मर-दू-दतिल ल-यकूलुन्नल मा
उनसे अजाब कुछ गिन्ती की मुदत तक उटा दें तो जरूर कहेगे किस चीजने

यहजिसुह अला यप्मा यर-तीहिम लयसा मसरूइन अन्हुम व हाका
रोका है, सुन लो जिसदिन उनपर आयेगा उनसे इरा न जायेगा और उन्हें धेरेगा

मिहिम मा कानू मिही यस्तहमिगिन व ल-धन अज्जनल धन्साना
वही अजाब जिसकी हंसी उगाते थे. और अगर हम आदमी को

मिन्ना रह-मतन सुम्मा नजर-नाहा मिन्ह द धन्नहू ल-यउसुन कइर
अपनी किसी रहमत का मजा दें फिर उसे उससे छीन लें जरूर वो बणा नाउम्मीद ना-शुकरा है

व ल-धन अज्जनाहु नर-माया जर-दा दर्राया मस्सल्लु ल-यकूलन्नल
और अगर हम उसे नेमत का मजा दें उस मुसीबत के बाद जो उसे पहुंची तो जरूर कहेगा

ज-हमस सय्यियातु अन्नी धन्नहू ल-इरिहुन इप्पूर धल्लल लगीना
के बुराईयां मुजसे दूर हुई बेशक वो भुश छेनेवाला बणाई मारनेवाला है. मगर जिन्होंने

صَبَرُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ ۖ أُولَٰئِكَ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ
وَأَجْرٌ كَبِيرٌ ۝ فَلَعَلَّكَ تَارِكٌ بَعْضَ مَا يُوحَىٰ
إِلَيْكَ وَضَائِقٌ بِهِ صَدْرُكَ أَنْ يَقُولُوا لَوْلَا أُنْزِلَ
عَلَيْهِ كُتُبٌ أَوْجَاءٌ مَعَهُ مَلَكٌ ۖ إِنَّمَا أَنْتَ نَذِيرٌ
وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ وَكِيلٌ ۝ أَمْ يَقُولُونَ افْتَرَاهُ
قُلْ فَأْتُوا بِعَشْرِ سُوْرٍ مِّثْلِهِ مُفْتَرِيَتٍ وَادْعُوا
مَنْ اسْتَطَعْتُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ۝
فَلَمْ يَسْتَجِيبُوا لَهُمْ فَأَعْلَمُوا أَنَّمَا أُنْزِلَ بِعِلْمِ
اللَّهِ وَأَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۖ فَهَلْ أَنْتُمْ مُسْمِعُونَ
مَنْ كَانَ يُرِيدُ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا وَزِينَتَهَا نُوَفِّ
إِلَيْهِمْ أَجْعَالَهُمْ فِيهَا وَهُمْ فِيهَا لَا يُبْخَسُونَ ۝
أُولَٰئِكَ الَّذِينَ لَيْسَ لَهُمْ فِي الْآخِرَةِ إِلَّا النَّارُ ۖ
وَحَبِطَ مَا صَنَعُوا فِيهَا وَبِطُلَّ مَا كَانُوا
يَفْعَلُونَ

स-अरू व अमिलुस साविहात
सभ्र किया और अथे काम क्रिओ,

उलोथक। लहुम मरिह-रतुंप् व
उनके लिओ बप्शिश और

अजरुन कभीर ० इ-ल-अल्लका तारिकुम
बणा सवाब है. तो क्या जो वही तुम्हारी तरफ छोटी है

अर-द। मा यूहो ध-लय्का व दोधकुम
उसमेंसे तुम कुछ छोण दोगे और

मिही सदरुका अय् यकूलू लप्लो
उसपर दिल तंग दोगे इस बिना पर के वो केहते हैं

उन्मिल। अ-लय्हि कन्मुन अप् जेआ
उनके साथ कोई भजाना क्यूं न उतरा या

म-अहू म-लक ७ धन्नमो अन्ता नगीर ७ वल्लाहु अला कुल्लि
उनके साथ कोई इरिश्ता आता तुम तो उर सुनानेवाले हो, और अल्लाह उर

शय्धंप् वकील ० अम यकूलूनइ-तराह ७ कुल इर-तू मि-अरि सु-वरिम
थीज पर मुहाकिज है. क्या ये केहते हैं के उन्होंने इसे जो से बनाया, तुम इरमाओ के तुम

मिस्लिही मुइ-त-रयातिंप् वदधि मनिस्त-तर-तुम मिन दूनिल्लाहि
ऐसी बनाई हुई इस सूरतें ले आओ और अल्लाह के सिवा जो मिल सकें सबको बुलावो

धन कुन्तुम सादिकीन ० इ-धल्लम यस्तजुबू लकुम इर-लमू
अगर तुम सय्ये हो. तो अय मुसलमानो! अगर वो तुम्हारी इस बात का जवाब न दे सकें तो समज लो

अन्नमो उन्मिल। मि-धल्लिल्लाहि व अल लो धलाहा धल्ला हू ८
के वो अल्लाह के धल्ल ही से उतरा है और ये के उसके सिवा कोई सय्या मा'बूद नहीं,

इ-हल अन्तुम मुस्लिमून ० मन काना युरीदुल हयातह दुन्या व
तो क्या अब तुम मानोगे. जो दुनिया की जिन्दगी और

मी-न-तहा नुपइ-इ धलय्हिम अर-मा-लहुम झीहा वहुम झीहा ला
आराधश याहता हो हम उसमें उनका पूरा इल दे देंगे और उसमें

युब्भसून ० उलोथकल लमीना लय्सा लहुम झिल आभि-रति
कमी न देंगे. ये हैं वो जिनके लिओ आपिरत में कुछ नहीं

धल्लन नार ७ व हबिता मा स-नग़ि झीहा व बातिलुम मा कानू
मगर आग, और अकारत गया जो कुछ वहां करते थे और नाबूद हुओ जो

يَعْلَمُونَ ۝ أَفَمَنْ كَانَ عَلَىٰ بَيْتِهِ مِّن رَّبِّهِ وَيَتْلُوهُ
شَاهِدًا مِّنْهُ وَمِنْ قَبْلِهِ كِتَابُ مُوسَىٰ إِمَامًا وَرَحْمَةً ۚ
أُولَٰئِكَ يُؤْمِنُونَ بِهِ ۚ وَمَنْ يَكْفُرْ بِهِ مِنَ الْأَحْزَابِ
فَالنَّارُ مَوْعِدُهُ ۚ فَلَا تَكُ فِي مِرْيَةٍ مِّنْهُ ۚ إِنَّهُ
الْحَقُّ مِّن رَّبِّكَ وَلَكِنَّ أَكْثَر النَّاسِ لَا يُؤْمِنُونَ ۝
وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ كَذِبًا ۚ أُولَٰئِكَ
يُعْرَضُونَ عَلَىٰ رَبِّهِمْ وَيَقُولُ الْأَشْهَادُ هَٰؤُلَاءِ
الَّذِينَ كَذَبُوا عَلَىٰ رَبِّهِمْ ۚ أَلَا لَعْنَةُ اللَّهِ عَلَى
الظَّالِمِينَ ۝ الَّذِينَ يَصُدُّونَ عَنِ سَبِيلِ اللَّهِ
وَيَبْغُونَهَا عَوَجًا وَهُمْ بِالْآخِرَةِ هُمْ كَافِرُونَ ۝
أُولَٰئِكَ لَمْ يَكُونُوا مُعْجِزِينَ فِي الْأَرْضِ وَمَا
كَانَ لَهُمْ مِّنْ دُونِ اللَّهِ مِنْ أَوْلِيَاءَ ۚ يُضَعَّفُ
لَهُمُ الْعَذَابُ مَا كَانُوا يَسْتَطِيعُونَ السَّمْعَ وَمَا

كَانُوا يُبْصِرُونَ

مَثَلُ

311

यर-मलून ० अ-इ-मन काना।
उनके अमल थे। तो क्या वो जो
अला भयि-नतिम भिर रजिहही
अपने रब की तरफ से रौशन दलील पर हो
व यत्लूह शाहिदुम भिन्ह व भिन
और उसपर अल्लाह की तरफ से गवाह आये और
कजिहही किताबु मूसो धमामंप् व
उससे पेहले मूसा की किताब पेशवा और
रहमह ७ उलोयका युर-मिनूना भिह ७
रहमत, वो उसपर धिमान लाते हैं,
व मंय् यकुर भिही भिनल
और जो उसका मुन्किर हो

अह्माभि इन्नारु मय्दुह ८ इला तहु ही भिर-यतिम भिन्ह ७
सारे गिरोहोंमें तो आग उसका वा'दा है, तो अय सुननेवाले तुझे कुछ उसमें शक न हो,

धन्नहुल हक्कु भिर रजिहका व लाकिन्ना अक-सरन नासि
बेशक वो उक है तेरे रब की तरफ से लेकिन बहुत आदमी

ला युर-मिनूना ० व मन अम्-लमु भिम भनिह-तरा अलल्लाहि कजिहका ७
धिमान नहीं रभते. और उससे बण्डकर जालिम कौन जो अल्लाह पर जूट बांधे

उलोयका युर-रहूना अला रजिहिम व यकूल अरहाहु हो-उलोयल लगीना
वो अपने रब के हुजूर पेश किअे जायेंगे और गवाह कहेंगे ये हैं जिन्होंने

क-म्भू अला रजिहिम ८ अला लर-नतुल्लाहि अ-लम् जालिमीन ०
अपने रब पर जूट बोला था, अरे जालिमों पर जुदा की ला'नत.

अल्लगीना यसुद्दूना अन सजीलिल्लाहि व यम्भू-नहा ध-वज ७ वहुम
जो अल्लाह की राह से रोकते हैं और उसमें कज्ज याहते हैं, और वही

भिल आभि-रति हुम काहिरून ० उलोयका लम यकूनू मुर-जिगीना
आभिरत के मुन्किर हैं. वो थकाने वाले नहीं

इलि अरदि वमा काना लहुम भिन दूनिल्लाहि भिन अप्लियाय् ७
जमीन में और न अल्लाह से जुदा उनके कोई डिमायती,

युदा-अहु लहुमुल अमाज ७ मा कानू यस्ततीठिनस सम्भा वमा
उन्हें अजाब पर अजाब होगा, वो न सुन सकते थे और न

كَانُوا يُبْصِرُونَ ۝ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ خَسِرُوا أَنفُسَهُمْ
وَصَلَّ عَنْهُمْ مِمَّا كَانُوا يَفْتَرُونَ ۝ لَا جَرَمَ لَهُمْ
فِي الْآخِرَةِ هُمْ الْخَسِرُونَ ۝ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا
وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَآخَبَتُوا إِلَىٰ رَبِّهِمْ ۖ أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ
الْجَنَّةِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ۝ مَثَلُ الْفَرِيقَيْنِ
كَالْأَعْنَىٰ وَالْأَصْمَىٰ وَالْبَصِيرَ وَالسَّمِيعَ ۖ هَلْ يَسْتَوِينَ
مَثَلًا ۚ أَفَلَا تَذَكَّرُونَ ۝ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوحًا إِلَىٰ
قَوْمِهِ ۖ إِنَّا لَنَكْمُ ذُرِّيَّتٍ مُّبِينٍ ۝ أَنْ لَا تَعْبُدُوا إِلَّا اللَّهَ ۖ
إِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ إِلِيمٍ ۝ فَقَالَ
السَّلَامُ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ قَوْمِهِ مَا تَرَكُ إِلَّا
بَشَرًا مِثْلَنَا وَمَا تَرَكُ أَتَّبِعَكَ إِلَّا الَّذِينَ هُمْ
أَرَادُوا لَنَا بِإِدْيَ الرَّأْيِ ۖ وَمَا نَرَىٰ لَكُمْ عَلَيْنَا مِنْ
فَضْلٍ ۚ بَلْ نُنَظُّكُمْ كَذِبِينَ ۝ قَالَ يَقَوْمِ أَرَأَيْتُمْ

إِنْ كُنْتُ

مِثْلًا

312

કાનૂ યુઝિસરૂન ○ ઉલોઘકલ લગીના
દેખતે. વહી હેં જિન્હોને

ખસિરૂ અન્હુ-સહુમ વ દલ્લા અન્હુમ
અપની જાનેં ઘાટે મેં ડાલીં ઓર ઉનસે ખોઈ ગઈ

મા કાનૂ યફ-તરૂન ○ લા જ-રમા
જો બાતે જોળતે થે. ખ્વાહ ન-ખ્વાહ

અન્નહુમ ફિલ આખિ-રતિ હુમુલ
વહી આખિરત મેં સબસે ઝિયાદા

અખસરૂન ○ ઇન્નલ લગીના આ-મનૂ
નુક્સાન મેં હેં. બેશક જો ઈમાન લાએ

વ અમિલુસ સાલિહાતિ વ અખબતૂ ઇલા
ઔર અરછે કામ કિએ ઔર

રઝિહિમ ૪ ઉલોઘકા અરહાબુલ જન્નહ ૮ હુમ ફીહા ખાલિદૂન ○
અપને રબ કી તરફ રુજૂઅ લાએ વો જન્નત વાલે હેં, વો ઉસમેં હમેશા રહેંગે.

મ-સાલુલ ફરીફયનિ ફલ અર-મા વલ અસમ્મિ વલ બસીરિ વસ સમીઅ ૭
દોનોં ફરીક કા હાલ એસા હે જેસે એક અન્ધા ઔર બેહરા ઔર દૂસરા દેખતા ઔર સુનતા,

હલ યસ્તવિયાનિ મ-સાલા ૭ અ-ફલા તઝક-કરૂન ○ વ લ-ફદ
ક્યા ઈન દોનોં કા હાલ એક સા હે, તો ક્યા તુમ ધ્યાન નહીં કરતે. ઔર બેશક

અરસલ્ના નૂહન ઇલા ફપ્મિહી ૭ ઇન્ની લફુમ નઝીરુમ મુબીન ○
હમને નૂહ કો ઉસકી કૌમકી તરફ ભેજા, કે મેં તુમ્હારે લિએ સરીહ ડર સુનાનેવાલા હૂં.

અલ્લા તર-બુદૂ ઇલ્લલ્લાહ ૭ ઇન્ની અખાફુ અ-લય્કુમ અઝાબા યપ્મિન
કે અલ્લાહ કે સિવા કિસીકો ન પૂજો, બેશક મેં તુમપર એક મુસીબત વાલે દિન કે અઝાબ સે ડરતા હૂં.

અલીમ ○ ફ-ફાલલ મ-લઉલ લગીના ફ-ફરૂ મિન ફપ્મિહી મા નરાકા
તો ઉસકી કૌમ કે સરદાર જો કાફિર હુએ થે બોલે હમ તો તુમ્હેં

ઇલ્લા બ-શરમ મિર્રલના વમા નરાકત ત-બ-અકા ઇલ્લલ લગીના હુમ
અપને હી જેસા આદમી દેખતે હેં ઔર હમ નહીં દેખતે કે તુમ્હારી પૈરવી કિસીને કી હોમગર

અરાઝિલુના બાદિયર રર-ય ૮ વમા નરા લફુમ અ-લય્ના મિન ફદલિમ
હમારે કમીનોં ને સરસરી નઝર સે, ઔર હમ તુમમેં અપને ઉપર કોઈ બનાઈ નહીં પાતે

બલ નઝુન્નુફુમ કાઝિબીન ○ ફાલા યા ફપ્મિ અ-ર-અય્તુમ
બલકે હમ તુમ્હેં ઝૂટા ખયાલ કરતે હેં. બોલા અય મેરી કૌમ ભલા બતાઓ તો

اِنْ كُنْتُ عَلَىٰ بَيِّنَةٍ مِّن رَّبِّي وَاسْتَغْنَىٰ رَحْمَةً
 مِّنْ عِنْدِي ۖ فَعَجَبْتُ عَلَيْكُمْ ۖ اَنْزِلُكُمْ مَّوْهَا وَاَنْتُمْ
 لَهَا كَرِهُونَ ۝ وَيَقُولُ لَّا اَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ مَالًا ۖ
 اِنْ اَجْرِي اِلَّا عَلَىٰ اللّٰهِ وَمَا اَنَا بِطَارِدِ الَّذِيْنَ
 اٰمَنُوْا ۖ اِنَّهُمْ مُّلقُوْا رَبِّهٖمْ وَلَٰكِنِّي اَرْكَبُكُمْ قَوْمًا
 تَجْهَلُوْنَ ۝ وَيَقُولُ مَن يَنْصُرُنِي مِنَ اللّٰهِ اِنْ
 طَرَدْتُهُمْ ۖ اَفَلَا تَذَكَّرُوْنَ ۝ وَلَا اَقُوْلُ لَكُمْ عِنْدِي
 خَزَائِنُ اللّٰهِ وَلَا اَعْلَمُ الْغَيْبِ وَلَا اَقُوْلُ اِنِّي
 مَلَكٌ ۖ وَلَا اَقُوْلُ لِلَّذِيْنَ تَزْدَرِيْٓ اَعْيُنُكُمْ لَنْ
 يُؤْتِيَهُمُ اللّٰهُ خَيْرًا ۗ اَللّٰهُ اَعْلَمُ بِمَا فِيْٓ اَنْفُسِهِمْ ۝
 اِنِّيْ اِذَا لَيْسَ الظّٰلِمِيْنَ ۝ قَالُوْا يُنْفَخُ قَدْ جَدَلْتَنَا
 فَاَكْثَرْتَ جَدَلَنَا ۖ فَاتَّبِعْنَا بِمَا تَعِدُنَا ۖ اِنْ كُنْتُ
 مِنَ الصّٰدِقِيْنَ ۝ قَالَ اِنَّمَا يٰٓاْتِيْكُمْ بِهٖ اللّٰهُ اِنْ

شَاءَ وَمَا

مَنْزِلٌ

313

ઇન કુન્તુ અલા બયિ-નતિમ મિર
 અગર મેં અપને રબ કી તરફ સે દલીલ પર હું

રબ્બી વ આતાની રહ-મતમ મિન
 ઓર ઉસને મુઝે અપને પાસ સે રહમત બખ્શી

ઇન્દિહી ફ-ઉમ્મિયત અ-લય્કુમ
 તો તુમ ઉસસે અન્ધે રહે

અ-નુલ્લિમુકુમૂહા વ અન્તુમ લહા
 કયા હમ ઉસે તુમ્હારે ગલે ચપેટ દેં ઓર તુમ

કારિહૂન ૦ વ યા ફવ્મિ લો અસ્અલુકુમ
 બેઝાર હો. ઓર અય કૌમ મેં તુમસે કુછ

અલય્હિ માલા ટ ઇન અજિરયા ઇલ્લા
 ઇસપર માલ નહીં માંગતા, મેરા અજર તો

અલલાહિ વમો અના બિ-તારિદિલ લમીના આ-મનૂ ટ ઇન્નહુમ મુલાફૂ
 અલ્લાહ હી પર હે ઓર મેં મુસલમાનોં કો દૂર કરનેવાલા નહીં. બેશક વો

રબ્બિહિમ વ લાકિન્ની અરાકુમ ફવ્-મન તજહલૂન ૦ વ યા ફવ્મિ
 અપને રબ સે મિલને વાલે હેં લેકિન મેં તુમકો નરે જાહિલ લોગ પાતા હું. ઓર અય કૌમ

મંય્ યન્સુરુની મિનલાહિ ઇન ત-રત્તુહુમ ટ અ-ફલા તમ્ક-કરૂન ૦
 મુઝે અલ્લાહ સે કૌન બયા લેગા અગર મેં ઉન્હેં દૂર કરુંગા, તો કયા તુમ્હેં ધ્યાન નહીં.

વલો અફૂલુ લકુમ ઇન્દી ખમ્મઘનુલાહિ વલો અ-લમુલ ગરબા
 ઓર મેં તુમસે નહીં કેહતા કે મેરે પાસ અલ્લાહ કે ખઝાને હેં ઓર ન યે કે મેં ગૈબ જાન લેતા હું

વલો અફૂલુ ઇન્ની મ-લફુવ્ વલો અફૂલુ લિલ્લમીના તમ્-દરો અ-યુનુકુમ
 ઓર ન યે કેહતા હું કે મેં ફરિશ્તા હું ઓર મેં ઉન્હેં નહીં કેહતા જિનકો તુમ્હારી નિગાહેં હકીર સમજતી હેં

લંય્ યુર-તિ-યહુમુલ્લાહુ ખય્રા ટ અલ્લાહુ અ-લમુ બિમા ફો
 કે હરગિઝ ઉન્હેં અલ્લાહ કોઈ ભલાઈ ન દેગા, અલ્લાહ ખૂબ જાનતા હે જો

અન્ફુસિહિમ હ ઇન્ની ઇ-મ્લ લ-મિનમ્ માલિમીન ૦ ફાલૂ યા નૂહ
 ઉનકે દિલોંમેં હે, ઐસા કરું તો ઝરૂર મેં ઝાલિમોં મેંસે હું. બોલે અય નૂહ

ફદ જાદલ્તના ફ-અક-સરતા જિદા-લના ફર-તિના બિમા તઘ્દુનો ઇન
 તુમ હમસે ઝગળે ઓર બહુત હી ઝગળે તો લે આઓ જિસકા હમેં વા'દે દે રહે હો અગર

ફુન્તા મિનસ સાદિકીન ૦ ફાલા ઇન્નમા યર-તીકુમ બિહિલ્લાહુ ઇન
 તુમ સરચે હો. બોલા વો તો અલ્લાહ તુમપર લાએગા અગર

۝ وَلَا يَنْفَعُكُمْ نُصْحِي
 ۝ إِن أَرَدْتُ أَنْ أَنْصَحَ لَكُمْ إِنْ كَانَ اللَّهُ يُرِيدُ
 ۝ أَنْ يُغْوِيَكُمْ هُوَ رَبُّكُمْ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ۝ أَمْ
 ۝ يَقُولُونَ افْتَرَاهُ قُلْ إِنْ افْتَرَيْتُهُ فَعَلَىٰ إِجْرَائِي
 ۝ وَأَنَا بَرِيءٌ مِّمَّا تُجْرِمُونَ ۝ وَ أَوْحَىٰ إِلَىٰ نُوْحٍ
 ۝ أَنَّهُ لَنْ يُؤْمِنَ مِنْ قَوْمِكَ إِلَّا مَنْ قَدْ آمَنَ
 ۝ فَلَا تَبْتَئِسْ بِمَا كَانُوا يَفْعَلُونَ ۝ وَاصْنَعِ الْفُلَكَ
 ۝ بِأَعْيُنِنَا ۚ وَ وَحِينَا وَلَا تُخَاطِبُنِي فِي الَّذِينَ
 ۝ ظَلَمُوا إِنَّهُمْ مُّعْرِضُونَ ۝ وَيَصْنَعِ الْفُلَكَ ۚ وَكَلَّمَا
 ۝ مَرْعِيَهُ مَلَأَ مِنْ قَوْمِهِ سَخِرُوا مِنْهُ ۚ قَالَ
 ۝ إِنْ تَسْخَرُوا مِنِّي فَإِنَّا نَسْخَرُ مِنْكُمْ كَمَا
 ۝ تَسْخَرُونَ ۝ فَسَوْفَ تَعْلَمُونَ ۚ مَنْ يَأْتِيهِ عَذَابٌ
 ۝ يُخْزِيهِ وَيَحِلُّ عَلَيْهِ عَذَابٌ مُّقِيمٌ ۝ حَتَّىٰ إِذَا

جَاءَ امْرَأَتَا

مَنْزِلًا

314

शआ। वमो अन्तुम भि-मु-जिमीन ०
 याहे और तुम थका न सकोगे।
 वला यन्हुकुम नुस्ही धन
 और तुम्हें मेरी नसीहत नका' न देगी अगर
 अरत्तु अन अन्सहा लकुम
 मैं तुम्हारा भला था
 धन कानलाहु युरीहु अंय
 जबके अलाह तुम्हारी गुमराही था
 युग्वि-यकुम ७ हुवा रब्बुकुम ७
 वो तुम्हारा रब है
 व धलयहि तुर-जिनि ० अम
 और उसीकी तरफ़ हिरोगे। क्या

यहुलून-तराह ७ कुल धनिह-तरय्तुहू ह-अलयया धजरामी
 येकहतेहेंकेउन्होंनेअपनेजसेबनालिया तुम इरमाओ अगर मैंने बना लिया होगा तो मेरा गुनाह
 व अना भरीउम मिम्मा तुजिरमून ० व ठिहिया धला नूहिन अन्नहू
 मुजपर है और मैं तुम्हारे गुनाह से अलग हूँ और नूह को वही दुर्घ के
 लंय युर-मिना भिन इप्मिका धला मन इह आ-मना इला तढतधस
 तुम्हारी कौमसे मुसलमान न होंगे मगर जितने ईमान ला चुके तो गम न जा
 भिमा कानू यह-अलून ० वरनधल इल्का भि-अर-युनिना व वहयिना
 उसपर जो वो करते हैं और कशती बनाओ हमारे सामने और हमारे हुकम से
 वला तुजातिब्नी हिलमीना ग-लमू ७ धन्नहुम मुजरकून ०
 और जालिमों के बारे में मुजसे बात न करना, वो जरूर दुबाओ जायेंगे।
 व यरनडल इल्क ७ व कुलमा मर्रा अ-लयहि म-लउम भिन इप्मिही
 और नूह कशती बनाता है और जब उसकी कौम के सरदार उसपर गुजरते
 सज़िरू मिन्ह ७ काला धन तस्थरू मिन्ना ह-धन्ना नस्थरु मिन्कुम
 उसपर हंसते, बोला अगर तुम हमपर हंसते हो तो अेक वक्त हम तुमपर हंसेंगे
 कमा तस्थरून ० ह-सप्हा तर-लमूना १ मंय यर-तीहि अज़ाबुंय
 जैसा तुम हंसते हो तो अब जान जाओगे किसपर आता है वो अज़ाब
 युफ़्मीहि व यहिल्लु अ-लयहि अज़ाबुम मुकीम ० हत्तो धमा
 के उसे रुसवा करे और उतरता है वो अज़ाब जो हमेशा रहे यहाँ तक के जब

جَاءَ أَمْرُنَا وَفَارَ التَّنُّورُ ۖ قُلْنَا احْمِلْ فِيهَا مِنْ
كُلِّ رَوْحَيْنِ اثْنَيْنِ ۚ وَأَمَّا كَإِلَّا مَنْ سَبَقَ عَلَيْهِ
الْقَوْلُ وَمَنْ أَمِنَ ۚ وَمَا أَمِنَ إِلَّا قَلِيلٌ ۚ
وَقَالَ أَرْكَبُوا فِيهَا بِسْمِ اللَّهِ مَجْرِبًا وَمُرْسِيًا
إِنَّ رَبِّي لَغَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ وَهِيَ تَجْرِي بِهِمْ فِي مَوْجٍ
كَالْجِبَالِ ۚ وَنَادَى نُوحٌ ابْنَهُ وَكَانَ فِي مَعْزِلٍ
يَبْنِئْ لَكَ كَبْ مَعْنَا وَلَا تَكُن مَعَ الْكَافِرِينَ ۝
قَالَ سَآوَيْتُ إِلَىٰ جِبَلٍ يَتْعَصَبُنِي مِنَ الْمَاءِ ۚ قَالَ
لَا عَاصِمَ الْيَوْمَ مِنْ أَمْرِ اللَّهِ إِلَّا مَنْ رَحِمَ ۚ وَحَالَ
بَيْنَهُمَا الْمَوْجُ فَكَانَ مِنَ الْمُغْرَقِينَ ۝ وَقِيلَ يَا رَأْسُ
ابْنِئْ مَاءً لَكَ وَلِسَاءَ أَقْبَلِي ۚ وَغِيضَ الْمَاءُ وَقُضِيَ
الْأَمْرُ وَأَسْتَوَتْ عَلَىٰ الْجُودِيِّ وَقِيلَ بُعْدًا لِلْقَوْمِ
الظَّالِمِينَ ۝ وَنَادَى نُوحٌ رَبَّهُ فَقَالَ رَبِّ إِنَّ ابْنِي

مِنْ أَهْلِي

مَنْزِلَ ۚ

315

જાયા અમરુના વ ફારત તન્નૂરુ ૧
હમારા હુકમ આયા ઓર તન્નૂર ઉબલા,
ફુલ્નહમિલ ફીહા મિન ફુલ્લિન
હમને ફરમાયા કશ્તીમે સવાર કરલે હર
ઝવ્-જયનિસ-નયનિ વ અહ-લકા ઘલ્લા
જિન્સ મેંસે એક જોળા નર વ માદા ઓર
મન સ-બફા અ-લય્હિલ ફવ્લુ વ મન
જિનપર બાત પળ ચુકી હે ઉંને સિવા અપને ઘર વાલોં ઓર બાકી
આ-મન ૭ વમો આ-મના મ-અહૂ
મુસલમાનોં કો, ઓર ઉસકે સાથ મુસલમાન ન થે
ઘલ્લા ફલીલ ૦ વ ફાલર-ફબૂ ફીહા
મગર થોળે. ઓર બોલા ઇસમેં સવાર હો

મિસ્મિલાહિ મજરેહા વ મુરસાહા ૭ ઘન્ના રબ્બી લ-ગફૂરુ રહીમ ૦
અલ્લાહ કે નામ પર ઇસકા ચલના ઓર ઇસકા ઠહેરના, બેશક મેરા રબ ઝરૂર બખ્શનેવાલા મેહરબાન હે.
વ હિયા તજરી મિહિમ ફી મવ્જિન ફલ જિબાલ ૮ વ નાદા નૂહનિબ્નહૂ
ઓર વહી ઉન્હેં લિએ જા રહી હે એસી મોજોંમેં જૈસે પહાળ, ઓર નૂહને અપને બેટેકો પુકારા
વ ફાના ફી મર-મિલિંય્ યા બુનરયર-ફમ મ-અના વલા તફુમ
ઓર વો ઉસસે કિનારે થા અય મેરે બચ્ચે હમારે સાથ સવાર હોજા ઓર
મ-અલ ફાફિરીન ૦ ફાલા સ-આવી ઘલા જ-બલિંય્ યર-સિમુની મિનલ
ફાફિરોંકે સાથ ન હો. બોલા અંબ મેં કિસી પહાળ કી પનાહ લેતા હૂં વો મુઝે પાની સે બચા લેગા,
માઅ્ ૭ ફાલા લા આસિમલ યવ્મા મિન અમ્મિલાહિ ઘલ્લા મર રહિમ ૮
કહા આજ અલ્લાહ કે અઝાબ સે કોઈ બચાને વાલા નહીં મગર જિસપર વો રહમ કરે
વ હાલા બય-નહુમલ મવ્જુ ફ-ફાના મિનલ મુરફીન ૦ વ ફીલા
ઓર ઉંને બીચમેં મોજ આળે આઈ તો વો ડૂબતોંમેં રેહ ગયા. ઓર હુકમ ફરમાયા ગયા
યો અરદુબ્લઈ મા-અફિ વ યા સમોઈ અફલિઈ વ ગીદલ માઈ વ
કે અય ઝમીન અપના પાની નિગલ લે ઓર અય આસમાન થમ જા ઓર પાની ખુશક કર દિયા ગયા ઓર
ફુદિયલ અમુ વસ્તવત અલલ જૂદિયિ વ ફીલા બુર-દલ લિલ ફવ્મિઝ્
કામ તમામ હુવા ઓર કશ્તી કોહે જૂદી પર ઠેહરી ઓર ફરમાયા ગયા દૂર હોં
ઝાલિમન ૦ વ નાદા નૂહુર રબ્બહૂ ફ-ફાલા રબ્બિ ઘન્નબની
બે-ઈન્સાફ લોગ. ઓર નૂહને અપને રબ કો પુકારા અર્ઝ કી અય મેરે રબ મેરા બેટા ભી

مِنْ أَهْلِیْ وَإِنَّ وَعْدَكَ الْحَقُّ وَأَنْتَ أَحْكَمُ
 الْحَكَمِیْنَ ۝ قَالَ يُنُوحُ إِنَّهُ لَیْسَ مِنْ أَهْلِکَ ۚ إِنَّهُ
 عَمِلَ غَیْرَ صَالِحٍ ۖ فَلَا تَسْأَلْنِ مَا لَیْسَ لَكَ بِهِ عِلْمٌ
 إِنِّي أَعِظُكَ أَنْ تَكُونِ مِنَ الْجَاهِلِیْنَ ۝ قَالَ رَبِّ
 إِنِّي أَعُوذُ بِكَ أَنْ أَسْأَلَكَ مَا لَیْسَ لِي بِهِ عِلْمٌ
 وَإِلَّا تَغْفِرْ لِي وَتَرْحَمْنِي أَكُنْ مِنَ الْخَاسِرِیْنَ ۝
 قِيلَ یُنُوحُ اهْبِطْ بِسَلَامٍ مِنَّا وَبَرَكَاتٍ عَلَیْكَ
 وَعَلَىٰ أُمَمٍ مِّمَّنْ مَعَكَ ۖ وَأُمَمٌ سَنُبَتِّعُهُمْ ثُمَّ
 یَسْتَهْکِمُهُمْ مِّمَّا عَذَابُ الْیَمِّ ۝ تِلْكَ مِنْ أَنْبَاءِ
 الْغَیْبِ نُوْحِیْهَا إِلَیْكَ ۖ مَا كُنْتَ تَعْلَمُهَا أَنْتَ
 وَلَا قَوْمُكَ مِنْ قَبْلِ هَٰذَا ۖ فَاصْبِرْ ۚ إِنَّ الْعَاقِبَةَ
 لِلْمُتَّقِیْنَ ۝ وَإِلَىٰ عَادٍ أَخَاهُمْ هُودًا ۖ قَالَ یَقُومُوا
 اْعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُم مِّنْ إِلَٰهٍ غَیْرُهُ ۖ إِنْ أَنْتُمْ إِلَّا
 مُفْتَرُونَ

મિન અહલી વ ઇન્ના વર-દકલ હક્કુ
 તો મેરા ઘર વાલા છે, ઓર બેશક તેરા વા'દા સચ્ચા છે
 વ અન્તા અહ-કમુલ હાકિમીન ૦ ફાલા
 ઓર તૂ સબસે બળા હુકમ વાલા. ફરમાયા
 યા નૂહુ ઇન્નહુ લય્સા મિન અહલિક ૮
 અય નૂહુ વો તેરે ઘર વાલોંમેં નહીં,
 ઇન્નહુ અ-મલુન ગયુરુ સાલિહુ ૭ ફલા
 બેશક ઉસકે કામ બળે નાલાયક છે, તો
 તસ્અલ્લિ મા લય્સા લકા બિહી ઇલ્મ ૭
 મુઝસે વો બાત ન માંગ જિસકા તુઝે ઇલ્મ નહીં,
 ઇન્ની અઇમુકા અન તફૂના મિનલ
 મેં તુઝે નસીહત ફરમાતા હૂં કે

وَمِنْ أَنْبَاءِ
 الْغَیْبِ

૩૧૬

જાહિલીન ૦ ફાલા રહિમ ઇન્ની અઇમુ બિકા અન અસ્અ-લકા મા
 નાદાન ન બન. અઝ્ઝ કી અય રબ મેરે મેં તેરી પનાહ ચાહતા હૂં કે તુઝસે વો ચીઝ માંગૂ
 લય્સા લી બિહી ઇલ્મ ૭ વ ઇલ્લા તરફિર લી વ તરહમ્ની અફુમ
 જિસકા મુઝે ઇલ્મ નહીં, ઓર અગર તૂ મુઝે ન બખ્શો ઓર રહમ ન કરે તો મેં
 મિનલ ખાસિરીન ૦ ફાલા યા નૂહુહબિત બિ-સલામિમ મિન્ના વ
 ઝિયાં કાર હો જાઉં. ફરમાયા ગયા અય નૂહુ કશ્તી સે ઉતર હમારી તરફ સે સલામ ઓર
 બ-રકાતિન અ-લય્કા વ અલો ઉ-મમિમ મિમ્મમ મ-અફ ૭ વ ઉ-મમુન
 બરકતોં કે સાથ જો તુઝપર હેં ઓર તેરે સાથ કે કુછ ગિરોહોં પર, ઓર કુછ ગિરોહ હેં
 સ-નુમત્તિહુમ સુમ્મા યમસ્સુહુમ મિન્ના અઝ્ઝાબુન અલીમ ૦
 જિન્હેં હમ દુનિયા બરતને દેંગે ફિર ઉન્હેં હમારી તરફ સે દર્દનાક અઝાબ પહુંચેગા.
 તિલ્કા મિન અમ્માઇલ ગય્બિ નૂહીહો ઇલેક ૮ મા ફુન્તા તર-લમુહો
 યે ગૈબકી ખબરેં હમ તુમ્હારી તરફ વહી કરતે હેં ઇન્હેં ન તુમ જાનતે થે
 અન્તા વલા ફપ્મુકા મિન ફબ્લિ હાઝા ૭ ફસ્બિર ૭ ઇન્નલ અફિ-બતા
 ન તુમ્હારી કૌમ ઇસસે પેહલે, તો સબ્ર કરો બેશક ભલા અન્જામ
 લિલ મુત્તફીન ૮ વ ઇલા અદિન અખાહુમ હૂદા ૭ ફાલા યા
 પરહેઝગારોં કા. ઓર આદકી તરફ ઉનકે હમ કૌમ હૂદ કો કહા અય
 ફપ્મિર-બુદ્લાહા મા લફુમ મિન ઇલાહિન ગયુરુહ ૭ ઇન અન્તુમ ઇલ્લા
 મેરી કૌમ અલ્લાહકો પૂજો ઉસકે સિવા તુમ્હારા કોઈ મા'બૂદ નહીં, તુમ તો નરે

مُفْتَرُونَ ۝ يَقُولُ لَآ أَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ جَزَاءً إِنِ اجْتَرَىٰ
إِلَّا عَلَىٰ الَّذِي فَطَرَنِي ۚ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ۝ وَيَقُولُ
اسْتَغْفِرُوا رَبَّكُمْ ثُمَّ تُوبُوا إِلَيْهِ يُرْسِلِ السَّمَاءَ عَلَيْكُمْ
مِدْرَارًا وَيَزِدْكُمْ قُوَّةً إِلَىٰ قُوَّتِكُمْ وَلَا تَتَوَلَّوْا
مُجْرِمِينَ ۝ قَالُوا يَهُودُ مَا جِئْتَنَا بِبَيِّنَةٍ وَمَا نَحْنُ
بِتَارِكِي آلِ هَارُونَ عَنْ قَوْلِكَ وَمَا نَحْنُ لَكَ بِمُؤْمِنِينَ ۝
إِن تَقُولُ إِلَّا ائْتِنَا بِبَيِّنَةٍ مِّن مَّا نَدَّعَىٰ
قَالَ إِنِّي أَشْهَدُ بِاللَّهِ وَاشْهَدْوَ إِنِّي بِبَرَىٰءٍ مِّنَّا
تُشْرِكُونَ ۝ مَن دُونِهِ فَكَيْدُؤُنِي جَمِيعًا ثُمَّ لَآ
تَنْظُرُونَ ۝ إِنِّي تَوَكَّلْتُ عَلَىٰ اللَّهِ رَبِّي وَرَبِّكُمْ ۚ
مَا مَن دَابَّةٍ إِلَّا هُوَ آخِذٌ بِنَاصِيَتِهَا ۚ إِن رَّبِّي
عَلَىٰ صِرَاطٍ مُّسْتَقِيمٍ ۝ فَإِن تَوَلَّوْا فَقَدْ أَبْلَغْتُكُمْ
مَا أُرْسِلْتُ بِهِ إِلَيْكُمْ ۚ وَيَسْتَخْلِفُ رَبِّي قُوتًا غَيْرَكُمْ
وَلَا تَضُرُّونَهُ ۚ

मुह-तरून ० या इप्मि लो अस्थलुकुम
मुह-तरी हो. अय कौम में ठसपर तुमसे

अ-लयहि अजरा ७ धन अजिरया धल्ला
कुछ उजरत नहीं मांगता, मेरी मजदूरी

अलल लमी इ-त-रनी ७ अ-इला
तो उसीके जिम्मे है जिसने मुझे पैदा किया, तो क्या

तर-किलून ० व या इप्मिस्तगिरू
तुम्हें अकल नहीं. और अय मेरी कौम अपने रब से

रब्बकुम सुम्मा तूबू ध-लयहि युरसिलिस
मुआफी याहो फिर उसकी तरफ़ रुजूअ लाओ

समाया अ-लयकुम मिदरारंप् व यजिदकुम
तुमपर जोर का पानी भेजेगा और तुममें

कुप्पतन धला कुप्पतिकुम पला त-तवल्लप् मुजिरमीन ० कालू या हूद
जितनी कुप्पत है उससे और जियादा देगा और जुर्म करते हुअे उ-गरदानी न करो. बोले अय हूद

मा जिर-तना जि-अयि-नतिप् वमा नहनु जि-तारिकी आलि-हतिना
तुम कोई दलील लेकर उमारे पास न आओ और हम जाली तुम्हारे केहने से अपने जुदाओं को छोड़ने

अन इप्लिका वमा नहनु लका जि-मुर-मिनीन ० धन नकूलु
के नहीं. तुम्हारी बात पर यकीन लाओ. हम तो यही केहते हैं

धल्लर-तराका अर-दु आलि-हतिना जि-सूय् ७ काला धन्नी उरिहदुल्लाहा
के उमारे किसी जुदा की तुम्हें बुरी जपट पड़ुंथी, कहा मैं अल्लाह को गवाह करता हूँ

परहदू अन्नी अरीउम मिम्मा तुशिरकून ० भिन दूनिही इ-कीदूनी जमीअन
और तुम सब गवाह हो जाओ के मैं भेअर हूँ उन सबसे जिन्हें तुम अल्लाह के सिवा उसका शरीक ठहराते हो. तुम सब मिलकर मेरा बुरा याहो

सुम्मा ला तुजिरून ० धन्नी तपक-कल्लु अलल्लाहि रब्बी व रब्बिकुम ७
फिर मुझे मोड़लत न दो. मैंने अल्लाह पर लरोसा किया जो मेरा रब है और तुम्हारा रब,

मा भिन दाऊअतिन धल्ला हुवा आभिमुम जि-नासि-यतिहा ७ धन्ना रब्बी
कोई यलनेवाला नहीं जिसकी थोटी उसके कब्जअे कुरदरत में न हो, बेशक मेरा रब

अला सिरातिम मुस्तकीम ० इ-धन तवल्लप् इ-इद अल्लरतुकुम मो
सीधे रासते पर मिलता है. फिर अगर तुम मुंड फेरो तो मैं तुम्हें पड़ुंया युका जो

उरसिल्लु जिही ध-लयकुम ७ व यस्तजिल्लु रब्बी इप्-मन गय-रकुम ७
तुम्हारी तरफ़ लेकर भेजा गया, और मेरा रब तुम्हारी जगह औरों को ले आयेगा,

وَلَا تَصْرُوهُ شَيْئًا ۖ إِنَّ رَبِّي عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ حَفِيفٌ ۝
وَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا نَجَّيْنَا هُودًا ۖ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ
بِرَحْمَةٍ مِنَّا ۖ وَنَجَّيْنَاهُمْ مِّنْ عَذَابٍ غَلِيظٍ ۝
وَتِلْكَ آيَاتُ نوحَ ۖ وَنَحْنُ بِآيَاتِ رَبِّهِمْ وَعَصَوْا رُسُلَهُ
وَاتَّبَعُوا أَمْرَ كُلِّ جَبَّارٍ عَنِيدٍ ۝ وَأَتَّبَعُوا فِي هَذِهِ
الدُّنْيَا لَعْنَةً ۖ وَيَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ إِلَّا إِنَّا عَادًا كَفَرُوا
رَبَّهُمْ ۖ إِلَّا بَعْدَ إِعَادٍ قَوْمٌ هُودٌ ۝ وَإِلَىٰ شَمُودَ
آخَاهُمْ طٰحِتًا ۖ قَالَ يَتَّبِعُونَ عَبْدًا ۖ وَقَالُوا اللَّهُ مَا لَكُمْ
مِّنْ إِلَهِ غَيْرُهُ ۖ هُوَ أَنتَ أَتَاكُمْ مِّنَ الْأَرْضِ
وَأَسْتَعْمَرَكُمْ فِيهَا ۖ فَاسْتَغْفِرُوهُ ثُمَّ تَوْبُوا إِلَيْهِ ۖ
إِنَّ رَبِّي قَرِيبٌ مُّجِيبٌ ۝ قَالُوا يٰطٰحِتُ ۖ قَدْ كُنْتَ
فِينَا مَرْجُوًّا قَبْلَ هَٰذَا ۖ أَتَنْهَانَا أَنْ نَعْبُدَ مَا يَعْبُدُ
آبَاؤُنَا وَإِنَّ لَافِي شَيْءٍ مِّنَّا تَدْعُونَا

إِلَيْهِ مُّرْسِلٌ

مَنْزِل

318

वला तदुर-नहू शय्या ७ धन्ना।
और तुम उसका कुछ न बिगाण सकोगे, बेशक
रब्बी अला कुल्लि शय्यन हईम ०
मेरा रब उर शय पर निगहबान है।

व लम्मा जय्या अम्मुना नज्जय्ना।
और जब उमारा हुकम आया उमने
हूद्व् वल्लमीना आ-मनू म-अहू
हूद और उसके साथ के मुसलमानों को
जि-रह-मतिम मिन्ना ८ व नज्जय्नाहुम
अपनी रहमत फरमाकर बया लिया, और उन्हें
भिन अम्माभिन गलीम ० व तिक्का
सप्त अजाब से नजात दी। और ये

आहुन १४-हूद जि-आयाति रज्जिहिम व अ-सप् दुसु-लहू पत्त-भउ
आह हैं के अपने रब की आयतों से मुन्किर हुअे और उसके रसूलोंकी ना-फरमानी की और

अम्मा कुल्लि जब्बारिन अनीद ० व उत्तिउि ही हागिहिद हुन्या
उर बणे सरकश उट-धरम के केउने पर यले। और उनके पीछे लगी इस दुनिया में

लर-नतंप् व यप्-मल कियामह ७ अलौ धन्ना आहन क-फरू रब्बहुम ७
ला'नत और कयामत के दिन, सुन लो बेशक आह अपने रब से मुन्किर हुअे,

अला नुर-दल लि-आदिन क्वमि हूद ० व धला समूदा अणाहुम
अरे दूर हों आह हूद की कौम। और समूद की तरफ उनके उम-कौम

सालिहा ८ फाला या क्वमिर-नुदुल्लाहा मा लकुम भिन धलाहिन गय्नुह ७
सालेह को, कहा अय मेरी कौम अल्लाह को पूजे उसके सिवा तुम्हारा कोई मा'बूद नहीं,

हुवा अन्श-अकुम भिनल अरहि पस्त-म-रकुम हीहा इस्तगिफरूह
उसने तुम्हें जमीनसे पैदा किया और उसमें तुम्हें बसाया तो उससे मुआफी याहो

सुम्मा तूबू धलैह ७ धन्ना रब्बी फरीबुम मुजुब ० फालू या सालिहु
फिर उसकी तरफ रुजूअ लाओ, बेशक मेरा रब करीब है हुआ सुनने वाला। बोले अय सालेह

इद हुन्ता हीना मरजुप्पन इल्ला हागो अ-तन्हानो अन नर-नुदा
इससे पेहले तो तुम हममें डोन्डार मा'लूम होते थे क्या तुम हमें उससे मना' करते हो के

मा यर-नुदु आभाउिना व धन्नना ल-ही शक्तिम भिम्मा तदुिना
अपने बाप-दादा के मा'बूदों को पूजें और बेशक जिस बातकी तरफ हमें बुलाते हो हम उससे अेक बणे

إِلَيْهِ مُرِيبٌ ۝ قَالَ يُقَوْمُ أَرَأَيْتُمْ إِن كُنْتُ
عَلَىٰ بَيْتَةٍ مِّن رَّبِّي وَأَشْفَىٰ مِنْهُ رَحْمَةً فَمَن
يَتَنَصَّرُنِي مِّنَ اللَّهِ إِن عَصَيْتُهُ فَمَا تَزِيدُونَنِي
غَيْرَ تَخْسِيرٍ ۝ وَيَقَوْمِ هَذِهِ نَاقَةُ اللَّهِ لَكُمْ
آيَةٌ فَذُرُّوْهَا تَأْكُلُ فِي أَرْضِ اللَّهِ وَلَا تَمَسُّوْهَا
بِسُوءٍ فَيَأْخُذْكُمْ عَذَابٌ قَرِيبٌ ۝ فَعَقَرُوْهَا
فَقَالَ تَسْعَوْنَ فِي دَارِكُمْ ثَلَاثَةَ أَيَّامٍ ۖ ذَٰلِكَ
وَعَدٌ غَيْرُ مَكْذُوبٍ ۝ فَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا بَنِيَّانَا
صَالِحًا وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِّنَّا وَمِن
خِزْيِ يَوْمٍ مَّيْذٍ ۖ إِنَّ رَبَّكَ هُوَ الْقَوِيُّ الْعَزِيزُ ۝
وَآخِذْ الَّذِينَ ظَلَمُوا الصَّيْحَةَ فَأَصْبَحُوا فِي
دِيَارِهِمْ جِثِيْمٍ ۝ كَانُوا لَمْ يَعْنُوا فِيْهَا ۖ أَلَا إِن
شُؤْدَا كَفَرُوا رَبَّهُمْ ۖ أَلَا بُعْدًا لِّثَمُودَ ۝

وَلَقَدْ جَاءَتْ

مَنْزِلًا

319

ध-ल्यहि मुरीज ० काला या क्वमि
धोका डालनेवाले शक में हैं. ओला अय मेरी कौम !

अ-र-अय्तुम धन कुन्तु अला
भला बताओ तो अगर में

अयि-नतिम भिर रब्बी व आतानी
अपने रब की तरफ से रौशन दलील पर हूं और उसने मुझे

मिन्हु रह-मतन इ-मंय् यन्सुरुनी
अपने पास से रहमत बप्शी तो मुझे उससे कौन बयायेगा

मिनल्लाहि धन अ-सय्तुह इमा
अगर में उसकी ना-इरमानी करूं, तो

तमीदू-ननी गय्रा तप्सीर ० व या
तुम मुझे सिवा नुकसान के कुछ न बण्डाओगे. और अय

क्वमि हाजिही ना-इतुल्लाहि लकुम आ-यतन इ-मरूहा तर-कुल
मेरी कौम ये अल्लाह का नाका है तुम्हारे लिये निशानी तो इसे छोड़ दो के

ई अरदिल्लाहि पला तमस्सूहा जि-सूधन इ-यथ-भु-मकुम अमाभुन
अल्लाह की जमीन में जाओ और उसे बुरी तरह धाव न लगाना के तुमको नज़दीक अज़ाब पहुँचेगा.

करीज ० इ-अ-करूहा इ-काला तमत्तलि ई दारिकुम सला-सता
तो उन्होंने उसकी कोयें काटीं तो सालेह ने कहा अपने घरों में तीन दिन और भरत लो

अय्याम ७ मालिका पर-दुन गय्रु मकमूज ० इ-लम्मा जया
ये वा'दा है के जूटा न छोगा. फिर जब हमारा हुकम आया

अभ्रुना नज्जय्ना सालिहं पल्लमीना आ-मनू म-अह
हमने सालेह और उसके साथ के मुसलमानों को अपनी रहमत इरमाकर बया लिया

जि-रह-मतिम मिन्ना व भिन भिम्यि यव-मिधम ७ धन्ना रब्बका
और उसदिन की दुसवाँ से, बेशक तुम्हारा रब

हुपल कपिय्युल अमीज ० व अ-भजल लमीना म-लमुस सय-हुतु
कवी धजलत वाला है. और जालिमों को बिंधाण ने आ लिया

इ-अरब्जहू ई दियारिहिम जसिमीन ० इ-अल्लम यन्नप् हीहा ७
तो सुबह अपने घरों में घुटनों के बल पड़े रह गये. गोया कभी यहाँ बसे ही न थे,

अलौ धन्ना समूहा इ-इरू रब्बहुम ७ अला भुर-दल लि-समूह ०
सुन लो बेशक समूह अपने रब से मुन्किर हुये, अरे ला'नत हो समूह पर

وَلَقَدْ جَاءَتْ رُسُلُنَا إِبْرَاهِيمَ بِالْبُشْرَى قَالُوا
سَلَامًا قَالَ سَلَامٌ فَمَا لَبِثَ أَنْ جَاءَ بِعِجْلٍ خَنِيذٍ
فَكَفَّارًا أَيْدِيَهُمْ لَا تَصِلُ إِلَيْهِ نَكِرَهُمْ وَأَوْجَسَ
مِنْهُمْ خِيفَةً قَالُوا لَا تَخَفْ إِنَّا أُرْسِلْنَا إِلَى قَوْمٍ
لُوطٍ ۖ وَإِسْحَاقَ ۖ وَآدَمَ ۖ فَصَحَّكَتْ فَبَشَّرْنَاهَا
بِإِسْحَاقَ ۖ وَمِنْ وَرَاءَ إِسْحَاقَ يَعْقُوبَ ۖ قَالَتْ
يُؤْتِكُنِي آلِدٌ وَأَنَا عَجُوزٌ وَهَذَا بَعْلٌ شَيْخًا
إِنَّ هَذَا لَشَيْءٌ عَجِيبٌ ۖ قَالُوا أَتَعْجَبِينَ مِنْ
أَمْرِ اللَّهِ رَحِمْتُ اللَّهُ وَبَرَكَتُهُ عَلَيْكُمْ أَهْلَ الْبَيْتِ
إِنَّهُ حَسِيدٌ مَحِيدٌ ۖ فَلَمَّا ذَهَبَ عَنْ إِبْرَاهِيمَ
الرُّوحُ وَجَاءَتْهُ الْبُشْرَى يُجَادِلُنَا فِي قَوْمِ
لُوطٍ ۖ إِنَّ إِبْرَاهِيمَ لَحَلِيمٌ أَوَّاهٌ مُنِيبٌ ۖ
يَا إِبْرَاهِيمُ أَعْرِضْ عَنْ هَذَا ۖ إِنَّهُ قَدْ جَاءَ أَمْرُ

رَبِّكَ

مَنْزِلٌ

320

વ લ-ફદ જાઅત રુસુલુનો ઇબ્રાહીમ
ઔર બેશક હમારે ફરિશ્તે ઇબ્રાહીમ કે પાસ

મિલ બુશરા ફાલૂ સલામા ૫
મુઝદા લેકર આએ બોલે સલામ

ફાલા સલામુન ફમા લમિસા અન
કહા સલામ ફિર કુછ દેર ન કી કે

જાઆ બિ-ઇજિલન હનીઝ ૦
એક બછળા ભુના લે આએ.

ફ-લમ્મા રઓ અય્દિ-યહુમ લા તસિલુ
ફિર જબ દેખા કે હાથ ખાને કી તરફ નહીં પહુંચતે

ઇલય્દિ નફિ-રહુમ વ અવ્-જસા મિન્હુમ
ઉનકો ઉપરી સમજા ઔર જી હી જી મેં ઉનસે

ખીફહ ૫ ફાલૂ લા તખફ ઇન્નો ઉરસિલ્નો ઇલા ફવ્મિ લૂત ૦
ડરને લગા, બોલે ડરિએ નહીં હમ કોમે લૂત કી તરફ ભેજે ગએ હેં.

વમ્-અતુહૂ ફાઇ-મતુન ફ-દહિકત ફ-બશ્શરનાહા બિ-ઇસ્હાક ૫
ઔર ઉસકી બીબી ખળી થી વો હંસને લગી તો હમને ઉસે ઇસહાક કી ખુશખબરી દી

વ મિવ્ વરાઇ ઇસ્હાકા યર-ફૂબ ૦ ફાલત યા વય્-લતો અ-અલિદુ વ
ઔર ઇસહાક કે પીછે યા'ફૂબ કી. બોલી હાય ખરાબી કયા મેરે બચ્ચા હોગા ઔર

અના અજૂઝૂવ્ વ હાઝા બર-લી શયખા ૫ ઇન્ના હાઝા લ-શય્ઉન
મેં બૂળહી હૂં ઔર યે હેં મેરે શૌહર બૂળહે, બેશક યે તો અયમ્બે કી ખાત હે.

અજુબ ૦ ફાલૂ અ-તર-જબીના મિન અમ્રિલાહિ રહ-મતુલાહિ
ફરિશ્તે બોલે કયા અલ્લાહ કે કામ કા અયમ્બા કરતી હો અલ્લાહ કી રહમત

વ બ-રકાતુહૂ અ-લય્કુમ અહ-લલ ભૈત ૫ ઇન્નહૂ હમીદુમ મજુદ ૦
ઔર ઉસકી બરકતે તુમપર ઇસ ઘર વાલો, બેશક વહી હે સબ ખૂબિયો વાલા ઇઝઝત વાલા,

ફ-લમ્મા ઝ-હબા અન ઇબ્રાહીમર રવ્ફિ વ જાઅતુલ બુશરા યુખદિલુના
ફિર જબ ઇબ્રાહીમ કા ખૌફ ઝાઇલ હુવા ઔર ઉસે ખુશખબરી મિલી હમસે

ફી ફવ્મિ લૂત ૦ ઇન્ના ઇબ્રાહીમ લ-હલીમુન અવ્વાહુમ મુનીબ ૦
કોમે લૂત કે બારે મેં ઝગળને લગા. બેશક ઇબ્રાહીમ તહમ્મુલ વાલા બહુત આહેં કરને વાલા રુજૂઅ લાને વાલા હે.

યો ઇબ્રાહીમુ અર-રિદ અન હાઝા ૮ ઇન્નહૂ ફદ જાઆ અમ્રુ
અય ઇબ્રાહીમ ઇસ ખયાલ મેં ન પળ બેશક તેરે રબ કા હુકમ આ ચુકા

رَبِّكَ ۖ وَلَئِنَّهُمْ لَآتِيهِمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ مَّرْدُودٌ ۖ
وَلَمَّا جَاءَتْ رُسُلُنَا لُوطًا سَيِّئًا بِهِمْ وَضَاقَ
بِهِمْ ذُرْعًا ۖ وَقَالَ هَذَا يَوْمٌ عَصِيبٌ ۖ وَجَاءَهُ
قَوْمُهُ يُهْرَعُونَ إِلَيْهِ ۖ وَمِنْ قَبْلُ كَانُوا يَعْمَلُونَ
السَّيِّئَاتِ ۖ قَالَ يَقُومُ هَؤُلَاءِ بَنَاتِي هُنَّ أَظْهَرُ
لَكُمْ فَاتَّقُوا اللَّهَ وَلَا تُخْزُونِ فِي ضَيْفِي ۖ أَلَيْسَ
مِنْكُمْ رَجُلٌ رَشِيدٌ ۖ قَالُوا لَقَدْ عَلِمْتَ مَا لَنَا
فِي بَنَاتِكَ مِنْ حَقٍّ ۖ وَإِنَّكَ لَتَعْلَمُ مَا نُرِيدُ ۖ
قَالَ لَوْ أَنَّ لِي بِكُمْ قُوَّةٌ أَوْ آوِي إِلَى رُكْنٍ
شَدِيدٍ ۖ قَالُوا يَلُوطُ إِنَّا رُسُلُ رَبِّكَ لَنْ يَصْلَوْا
إِلَيْكَ فَأَسْرِ بِاهْلِكَ بِقِطْعٍ مِنَ اللَّيْلِ وَلَا
يَلْتَفِتْ مِنْكُمْ أَحَدٌ إِلَّا أَمْرَاتَكَ ۖ إِنَّهُ مُصِيبُهَا
مَا أَصَابَهُمْ ۖ إِنَّ مَوْعِدَهُمُ الصُّبْحُ ۖ أَلَيْسَ الصُّبْحُ
بِقَرِيبٍ

مَثَل ۲

321

રબ્બિક ૬ વ ઇન્નહુમ આતીહિમ

और बेशक उनपर अज़ाब आनेवाला है

અઝાબુન ગયરુ મરદૂદ ૦ વ લમ્મા

કે ફેરા ન જાએગા. ઓર જબ

જાઅત રુસુલુના લૂતન સીઆ બિહિમ

લૂત કે યહાં હમારે ફરિશ્તે આએ ઉસે ઇનકા ગમ હુવા

વ દાકા બિહિમ મરઅંવ વ કાલા હાઝા

और उनके सबब दिल तंग हुआ और बोला ये

યવ્મુન અસીબ ૦ વ જા-અહૂ ફવ્મુહૂ

બળી સખ્તી કા દિન છે. ઓર ઉસકે પાસ ઉસકી કૌમ

યુહ-રઊના ઇલૈહ ૬ વ મિન ફબ્લુ

દૌળતી આઈ ઓર ઉન્હેં આગે હી સે

કાનૂ યર-મલૂનસ સચિયાત ૬ કાલા યા ફવ્મિ હૉ-ઉલૌઇ બનાતી

બુરે કામોં કી આદત પળી થી, કહા અય કૌમ યે મેરી કૌમકી બેટિયાં હેં

હુન્ના અહરુ લફુમ ફત્તફુલાહા વલા તુખૂનિ ફી દય્ફી ૬

ये तुम्हारे लिये सुथरी हैं तो अल्लाहसे डरो और मुझे मेरे मेहमानों में रुसवा न करो,

અ-લય્સા મિન્ફુમ રજુલુર રશીદ ૦ કાલૂ લ-ફદ અલિમ્તા મા લના

કયા તુમમેં એક આદમી ભી નેક-ચલન નહીં. બોલે તુમહેં મા'લૂમ હે

ફી બનાતિકા મિન હફ્ફ ૬ વ ઇન્નકા લ-તર-લમુ મા નુરીદ ૦

કેતુમ્હારી કૌમકી બેટિયોંમેં હમારા કોઈ હક નહીં, ઓર તુમ ઝરૂર જાનતે હો જો હમારી ખ્વાહિશ હે.

કાલા લવ્ અન્ના લી બિન્ફુમ ફુવ્વતન અવ્ આવી ઇલા રુકિનિન શદીદ ૦

બોલે અય કાશ મુઝે તુમ્હારે મુકાબિલે ઝોર હોતા યા કિસી મઝબૂત પાએ કી પનાહ લેતા.

કાલૂ યા લૂતુ ઇન્ના રુસુલુ રબ્બિકા લંય્ યસિલૂ ઇ-લય્કા

ફરિશ્તે બોલે અય લૂત હમ તુમ્હારે રબ કે ભેજે હુએ હેં વો તુમ તક નહીં પહુંચ સકતે

ફ-અસ્તિ બિ-અહલિકા બિ-ફિત્થમ મિનલ લય્લિ વલા યલ્તફિત

તો અપને ઘર વાલોંકો રાતોંરાત લે જાઓ ઓર તુમમેં કોઈ પીઠ ફેરકર ન દેખે

મિન્ફુમ અ-હદુન ઇલ્લમર-અ-તક ૬ ઇન્નહૂ મુસીબુહા મૉ

સિવાએ તુમ્હારી ઓરત કે, ઉસે ભી વહી પહુંચના હે જો

અસા-બહુમ ૬ ઇન્ના મવ્ઇ-દહુમુસ સુબ્હ ૬ અ-લય્-સસ સુબ્હ

ઉન્હેં પહુંચેગા, બેશક ઉનકા વા'દા સુબહ કે વંક્ત હે, કયા સુબહ

بِقُرْبٍ ۖ فَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا جَعَلْنَا عَلَىٰهَا سَافِلَهَا
وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهَا حِجَارَةً مِّن سِجِّيلٍ ۖ مَّنصُودٍ ۖ
مَّسْومَةٍ عِندَ رَبِّكَ ۖ وَمَا هِيَ مِنَ الظَّالِمِينَ
بَعِيدٍ ۖ وَإِلَىٰ مَدْيَنَ أَخَاهُمْ شُعَيْبًا ۖ قَالَ
يَقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُم مِّن إِلَهٍ غَيْرُهُ ۖ وَلَا
تَنقُصُوا الْبِكْيَالَ وَالْيُزَانَ إِنِّي أَرَاكُمْ بِخَيْرٍ
وَإِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ مُّحِيطٍ ۖ وَيَقَوْمِ
أَوْفُوا بِالْبِكْيَالَ وَالْيُزَانَ بِالْقِسْطِ وَلَا تَبْخُسُوا
النَّاسَ أَشْيَاءَهُمْ وَلَا تَعْتُوا فِي الْأَرْضِ مُفْسِدِينَ ۚ
بَقِيَّتُ اللَّهِ خَيْرٌ لَّكُمْ إِن كُنتُمْ مُّؤْمِنِينَ ۚ
وَمَا أَنَا عَلَيْكُمْ بِخَفِيظٍ ۖ قَالُوا يَشْعِبُ أَصْلُوكَ
تَأْمُرُكَ أَن نَّتْرَكَ مَا يَعْْبُدُ آبَاؤُنَا وَأَن نَّفْعَلَ فِي
أَمْوَالِنَا مَا نَشَاءُ ۖ إِنَّكَ لَأَنْتَ الْحَلِيمُ الرَّشِيدُ ۖ

قَالَ يَقَوْمِ

مَنْزِل ۳

322

બિ-ફરીબ ૦ ફ-લમ્મા જાઆ અમુના
કરીબ નહીં. ફિર જબ હમારા હુકમ આયા

જ-અબ્ના આલિ-યહા સાફિ-લહા
હમને ઉસ બસ્તી કે ઉપર કો ઉસકા નીચા કર દિયા

વ અમ્તારના અ-લય્હા હિજા-રતમ મિન
ઔર ઉસપર કંકર કે પથ્થર

સિજ્જિલિમ ૫ મન્દૂદ ૦ મુસવ્વ-મતન
લગાતાર બરસાએ. જો નિશાન ક્રિએ હુએ

ઇન્દા રબ્બિક ૭ વમા હિયા મિનઝ
તેરે રબ કે પાસ હૈં, ઔર વો પથ્થર કુછ

ઝાલિમીના બિ-બઈદ ૦ વ ઇલા મદ-યના
ઝાલિમોંસે દૂર નહીં. ઔર મદયન કી તરફ

અખાહુમ શુઅયબા ૭ ફાલા યા ફવ્મિર-બુદ્લાહા મા લકુમ
ઉનકે હમ-કૌમ શુઅબ કો, કહા અય મેરી કૌમ અલ્લાહકો પૂજો

મિન ઇલાહિન ગયરુહ ૭ વલા તન્ફુસુલ મિક્યાલા વલ મીઝાના ઇન્ની
ઉસકે સિવા કોઈ મા'બૂદ નહીં, ઔર નાપ ઔર તૌલમેં કમી ન કરો બેશક મેં

અરાકુમ બિ-ખયરિવ્ વ ઇન્ની અખાફુ અ-લય્કુમ અઝાબા યવ્મિમ
તુમ્હેં આસૂદા હાલ દેખતા હું ઔર મુઝે તુમપર ઘેર લેનેવાલે દિનકે અઝાબ કા ડર હૈ.

મુહીત ૦ વ યા ફવ્મિ અવ્ફુલ મિક્યાલા વલ મીઝાના બિલ ફિસ્તિ વલા
ઔર અય મેરી કૌમ નાપ ઔર તૌલ ઇન્સાફ કે સાથ પૂરી કરો ઔર

તબ્બસુન નાસા અશ્યા-અહુમ વલા તર-સવ્ ફિલ અરદિ મુફસિદીન ૦
લોગોંકો ઉનકી ચીઝે ઘટાકર ન દો ઔર ઝમીનમેં ફસાદ મચાતે ન ફિરો.

બફિયતુલ્લાહિ ખયરુલ લકુમ ઇન ફુન્તુમ મુર-મિનીન ૬
અલ્લાહકા દિયા જો બચ રહે વો તુમ્હારે લિએ બેહતર હૈ અગર તુમ્હેં યકીન હો,

વમો અના અલય્કુમ બિ-હફીઝ ૦ ફાલૂ યા શુઅયબુ અ-સલાતુકા
ઔર મેં કુછ તુમપર નિગહબાન નહીં. બોલે અય શુઅબ કયા તુમ્હારી નમાઝ

તર-મુરુકા અન નત્રુકા મા યર-બુદુ આબાઉનો અવ્ અન નફ-અલા
તુમ્હેં યે હુકમ દેતી હૈ કે હમ અપને બાપ દાદા કે ખુદાઓં કો છોળ દેં યા

ફી અમ્વાલિના મા નશાઅ ૭ ઇન્નકા લ-અન્તલ હલીમુર રશીદ ૦
અપને માલમેં જો ચાહેં ન કરેં, હાં જ તુમ્હી બળે અકલમન્દ નેક-ચલન હો.

قَالَ يَقُومُ أَرَأَيْتُمْ إِنْ كُنْتُ عَلَىٰ بَيْنَيْهِ مِنْ رَبِّي
وَرَزَقْنِي مِنْهُ رِزْقًا حَسَنًا ۖ وَمَا أُرِيدُ أَنْ أَخْلُقَكُمْ
إِلَىٰ مَا أَنَّهُكُمْ عَنْهُ ۖ إِنْ أُرِيدُ إِلَّا الْإِصْلَاحَ مَا
اسْتَطَعْتُ ۚ وَمَا تَوْفِيقِي إِلَّا بِاللَّهِ ۗ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ
وَالْيَهُ الْأُتْبُ ۖ وَيَقُومُ لَا يَجْرِمُكُمْ شِقَاقِي أَنْ
يُصِيبَكُمْ مِثْلُ مَا أَصَابَ قَوْمَ نُوحٍ أَوْ قَوْمَ هُودٍ أَوْ
قَوْمَ صَالِحٍ ۚ وَمَا قَوْمُ لُوطٍ مِنْكُمْ بِبَعِيدٍ ۖ وَاسْتَغْفِرُوا
رَبَّكُمْ ثُمَّ تَوَبُّوا إِلَيْهِ ۚ إِنَّ رَبِّي رَحِيمٌ وَدُودٌ ۖ قَالُوا
يُشْعِبُ مَا نَفَقَهُ كَثِيرًا ۖ مِمَّا تَقُولُ وَإِنَّا لَنَرَاكَ
فِينَا ضَعِيفًا ۚ وَلَوْلَا رَهْطُكَ لَرَجَمْنَاكَ وَمَا أَنْتَ
عَلَيْنَا بِعَزِيزٍ ۖ قَالَ يَقُومُ أَرَأَيْتُمْ أَغْرَأَ عَلَيْكُمْ مِنْ
اللَّهِ ۚ وَاتَّخَذَ ثُلُوعًا وَرَاءَكُمْ ظُهُورِيًّا ۚ إِنَّ رَبِّي بِمَا
تَعْمَلُونَ مُحِيطٌ ۖ وَيَقُومُ اعْمَلُوا عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ

الْحَنِ غَامِلٌ

مَنْزِلٌ

323

काला या क्वमि अ-र-अय्तुम धन
कहा अय मेरी कौम बला बताओ तो अगर
कुण्ठु अला बय्यि-नतिम मिर रब्बी
मैं अपने रब की तरफ से एक रौशन दलील पर हूँ
व र-म-कनी मिण्डु रिम्कन ह-सना ७
और उसने मुझे अपने पास से अच्छी रोजी दी,
वमो उरीदु अन उपालि-इकुम धला मो
और मैं नहीं चाहता हूँ के जिस बात से तुम्हें मना'
अन्हाकुम अन्ह ७ धन उरीदु धल्लल
करता हूँ आप उसके खिलाफ करने लगूँ, मैं तो जहाँ तक
धरलाहा मस्तत-तु ७ वमा तप्हीकी धल्ला
बने संवारना ही चाहता हूँ, और मेरी तौहीक

मिल्लाह ७ अ-लयहि तपक-कल्लु व ध-लयहि उनीज ० व या क्वमि ला
अल्लाह ही की तरफ से है, मैंने उसी पर भरोसा किया और उसी की तरफ रुजूअ होता हूँ. और अय
यजिरमन्नकुम शिफाकी अय युसी-अकुम मिरलु मो असाभा क्वमा नूहिन
मेरी कौम तुम्हें मेरी जिए ये न कमवा दे के तुमपर पणे जो पणा था नूह की कौम
अय क्वमा हूदिन अय क्वमा सालिह ७ वमा क्वमु लूतिम मिन्कुम
या हूद की कौम या सालेह की कौम पर, और लूत की कौम तो कुछ तुमसे
जि-अर्ध ० वस्तगिरू रब्बकुम सुम्मा लून् धलैह ७ धन्ना रब्बी
दूर नहीं. और अपने रब से मुआफी याहो फिर उसकी तरफ रुजूअ लाओ, बेशक मेरा रब
रहीमुं वदूद ० कालू या शुअय्नु मा नइ-कहु कसीरम मिम्मा तक्लु
मेहरबान मुहब्बत वाला है. बोले अय शुअैब हमारी समझ में नहीं आती तुम्हारी बहुत सी बातें
व धन्ना ल-नराका हीना दर्दका ७ व लप्ला रहतुका ल-र-जम्नाका ७ वमो
और बेशक हम तुम्हें अपने में कमजोर देखते हैं, और अगर तुम्हारा कुब्बा न होता तो हमने तुम्हें पथराव कर दिया होता और
अन्ता अ-लयना जि-अमीज ० काला या क्वमि अ-रहती अ-अम्मु
कुछ हमारी निगाह में तुम्हें छलजत नहीं. कहा अय मेरी कौम क्या
अलयकुम मिनल्लाह ७ पत्तअम्तुमूहु वरा-अकुम ग़िररिया ७ धन्ना
तुमपर मेरे कुम्भे का दबाव अल्लाह से लिया है और उसे तुमने अपनी पीठ के पीछे डाल रखा, बेशक
रब्बी जिमा त-मलूना मुहीत ० व या क्वमिर-मलू अला मका-नतिकुम
जो कुछ तुम करते हो सब मेरे रब के बस में है. और अय कौम तुम अपनी जगह अपना काम किये जाओ

إِنِّي عَامِلٌ ۖ سَوْفَ تَعْلَمُونَ ۚ مَنْ يَأْتِيهِ عَذَابٌ
يُخْزِيهِ وَمَنْ هُوَ كَاذِبٌ ۖ وَارْتَقِبُوا إِنِّي مَعَكُمْ
رَقِيبٌ ۝ وَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا نَجَّيْنَا شُعَيْبًا وَالَّذِينَ
آمَنُوا مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِنَّا ۖ وَأَخَذَتِ الَّذِينَ ظَلَمُوا
الصَّخْرَةَ فَاصْبَحُوا فِي دِيَارِهِمْ جِثَيَيْنَ ۚ كَأَن لَّمْ
يَغْنَوْا فِيهَا ۚ آلَا بَعْدَ الْآلَمِينَ ۚ كَمَا بَعَدَتْ شُؤدُ ۝
وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا وَسُلْطَانٍ مُّبِينٍ ۚ
إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَمَلَئِهِ فَاتَّبَعُوا أَمْرَ فِرْعَوْنَ ۖ وَمَا
أَمْرُ فِرْعَوْنَ بِرَشِيدٍ ۚ يَقْدُمُ قَوْمَهُ يَوْمَ الْقِيَمَةِ
فَأَوْرَدَهُمُ النَّارَ ۖ وَيَسُ الْوَرْدُ السُّورُودُ ۚ وَاتَّبَعُوا
فِي هَذِهِ لَعْنَةً وَيَوْمَ الْقِيَمَةِ ۖ يَسُ الرِّفْدُ
الرُّفُودُ ۚ ذَلِكَ مِنْ أَنْبَاءِ الْفُرَى نَقُصُّهُ عَلَيْكَ
مِنْهَا قَائِمٌ وَحَصِيدٌ ۚ وَمَا ظَلَمْنَاهُمْ وَلَكِنْ

ظَلَمُوا

مَنْزِل

324

धन्नी आमिल ७ सप्फा तय-लमूना १
में अपना काम करता हूँ, अब जानना चाहते हो
मंय यर-तीहि अमाभुंय युष्मीहि व मन
किसपर आता है वो अमाभ के उसे दुसवा करेगा और
हुवा कामिल ७ पर-तकिन्ने धन्नी म-अकुम
कौन भूटा है, और धन्नेजार करो मैं भी तुम्हारे साथ
रकीम ० व लम्मा जया अम्मुना
धन्नेजार में हूँ और जब उमारा हुकम आया
नजजयना शुअय्भंप् वल्लमीना
उमने शुअेभ और उसके साथ के मुसलमानों को
आ-मनू म-अहू भि-रह-मतिम मिन्ना ८
अपनी रहमत इरमाकर भया लया,

व अ-भ-मतिल लमीना म-लमुस सय्-हतु इ-अरभहू इ दियारिहिम
और आदिमों को बिधाण ने आ लिया तो सुभउ अपने घरोंमें घुटनों के बल पणे रेह गये.

जसिमीन ० इ-अल्लम यगनप् इहीह ७ अला भुर-दल लि-मदयना इमा
गोया कभी वहां बसे ही न थे, अरे दूर हों मदयन जैसे

जधदत समूद ० व ल-इह अरसल्ला मूसा भि-आयातिना व सुल्लानिम
दूर हुअे समूद. और बेशक उमने मूसा को अपनी आयतों और सरीउ गलबे के साथ

मुजीन ० धला इरअप्ना व म-लघही इत्त-जिओ अम्मा इरओन ८
इरओन और उसकी दरबारियों की तरफ भेजा तो वो इरओन के केहने पर यले,

वमो अम्मु इरअप्ना भि-रशीह ० यइहुमु इप्-महू यप्-मल
और इरओन का काम रासती का न था. अपनी कौम के आगे होगी

इया-मति इ-अप्-र-दहुमुन नार ७ व भिर-सल विरदुल मप्रूद ०
क्यामत के दिन तो उन्हें दोज्भ में ला उतारेगा, और वो क्या ही भुरा घाट उतरने का.

व उल्लिओ इही हाजिही लय-नतंप् व यप्-मल इयामह ७ भिर-सर
और उनके पीछे पणी इस जहान में ला'नत और क्यामत के दिन, क्या ही भुरा

रिइहुल मरूह ० मालिका भिन अम्माधल कुरा नकुस्सुह
धन्आम जो उन्हें मिला. ये बस्तियों की बजरे हैं के उम तुम्हें सुनाते हैं

अ-लय्का मिन्हा इधमुंप् व हसीह ० वमा म-लम्माहुम व लाकिन
उनमें कोई भणी है और कोई कट गई. और उमने उनपर जुल्म न किया बल्के

ظَلَمُوا أَنْفُسَهُمْ فَمَا أَغْنَتْ عَنْهُمْ آلِهَتُهُمُ الَّتِي
يَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ لَتَبَا جَاءَ أَمْرُ
رَبِّكَ ۖ وَمَا زَادُوهُمْ غَيْرَ تَتْبِيبٍ ۚ وَكَذَلِكَ أَخْذُ
رَبِّكَ إِذَا أَخَذَ الْقُرَىٰ وَهِيَ ظَالِمَةٌ ۖ إِنَّ أَخْذَهُ
الْيَوْمَ شَدِيدٌ ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَةً لِّمَنْ خَافَ
عَذَابَ الْآخِرَةِ ۖ ذَلِكَ يَوْمٌ مَّجْمُوعٌ لَّهُ النَّاسُ
وَذَلِكَ يَوْمٌ مَّشْهُودٌ ۚ وَمَا نُوْخِرَةُ إِلَّا لَجْلٍ
مَّعْدُودٍ ۚ يَوْمَ يَأْتِ لَا تَكَلِّمُ نَفْسٌ إِلَّا بِآذِنَةٍ ۚ
فِيْنَهُمْ شِقَىٰ وَسَعِيدٌ ۚ فَأَمَّا الَّذِينَ شَقُوا فَفِي
النَّارِ لَهُمْ فِيْهَا زَفِيرٌ وَشَهِيقٌ ۚ خَلِدِينَ فِيْهَا
مَا دَامَتِ السَّمُوتُ وَالْأَرْضُ إِلَّا مَا شَاءَ رَبُّكَ ۚ
إِنَّ رَبَّكَ فَعَالٌ لِّمَا يُرِيدُ ۚ وَأَمَّا الَّذِينَ سَعَدُوا
فَفِي الْجَنَّةِ خَالِدِينَ فِيْهَا مَا دَامَتِ السَّمُوتُ
وَالْأَرْضُ ۚ

म-लमू अन्हु-सहुम इमो अग्नत
भुद उन्होने अपना बुरा किया तो

अन्हुम आलि-हनुहुमुल लती यदउिना।
उनके मा'भूद जिन्हें अल्लाहके सिवा पूजते थे उनके
भिन दूनिव्लाहि भिन शय्दल लम्मा।
कुछ काम न आये जब

जआ अम्हु रब्बिक ७ वमा मादूहुम
तुम्हारे रब का हुकम आया, और उनसे उन्हें
गयरा तल्मीन ० व क्मालिका अफ्फु
उलाक के सिवा कुछ न बण्डा और ऐसी ही पकण है
रब्बिक। धमो अ-म-मल कुरा वहिया
तेरे रब की जब बस्तियों को पकणता है उनके

मालिमह ७ धन्ना अफ्फहू अलीमुन शदीह ० धन्ना ही मालिका
मुल्म पर, बेशक उसकी पकण ददनाक करी है। बेशक इसमें

ल-आ-यतल लिमन पाइ। अमाभल आभिरह ७ मालिका यप्मुम
निशानी है उसके लिये जो आभिरत के अजाब से उरे, वो दिन है

मजमूउिल १ लहुन नासु व मालिका यप्मुम मरहूद ० वमा नुअफ्फिरुहू
जिसमें सब लोग एकट्ठे होंगे और वो दिन छाजिरी का है। और हम उसे पीछे नहीं हटाते

धल्ला लि-अ-जलिम मर-हूद ० यप्मा यर-ति ला तकल्लमु नहसुन
मगर-अक गिनी हुई मुदत के लिये। जब वो दिन आयेगा कोई

धल्ला मि-धमनिह ८ इ-मिन्हुम शकियुंप् व सय्द ० इ-अम्मल लमीना।
बे-हुकमे भुदा बात न करेगा तो उनमें कोई बदनभूत है और कोई भुश-नसीब। तो वो जो

शकू इ-इिन नारि लहुम हीहा महीरुंप् व शहीइ ० मालिदीना हीहा।
बदनभूत हैं वो तो दोऊभ में हैं वो उसमें गधे की तरह रेंकेंगे। वो उसमें रहेंगे

मा दा-मतिस समावातु वल अरहु धल्ला मा शाआ रब्बुक ७
जबतक आसमान व जमीन रहें मगर जितना तुम्हारे रब ने याहा,

धन्ना रब्बिक। इर-आलुल लिमा युरीह ० व अम्मल लमीना सुय्द
बेशक तुम्हारा रब जब जो याहे करे। और वो जो भुश-नसीब हुअे

इ-इिल जन्नति मालिदीना हीहा मा दा-मतिस समावातु
वो जन्नतमें हैं हमेशा उसमें रहेंगे जबतक आसमान

وَالْأَرْضُ إِلَّا مَا شَاءَ رَبُّكَ ۚ عَطَاءٌ غَيْرُ مَجْذُوذٍ ۚ
فَلَاتُكَ فِي مَرْيَةٍ مِمَّا يَعْذُكُمُ اللَّهُ ۚ وَمَا يَعْذُونَ
إِلَّا كَمَا يَعْذُ آبَاؤُهُمْ مِنْ قَبْلُ ۚ وَإِنَّا لَنُوقِفُوهُمْ
نَصِيبَهُمْ غَيْرَ مَنْقُوصٍ ۚ وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَى
الْكِتَابَ فَاخْتَلَفَ فِيهِ ۚ وَلَوْلَا كَلِمَةٌ سَبَقَتْ
مِنْ رَبِّكَ لَفُتْنَىٰ فِيهِمْ ۚ وَإِنَّهُمْ لَفِي شَكٍّ مِنْهُ
مُريبٍ ۚ وَإِنْ كَلَّا لَنَلْوِيَنَّهُمْ بِهِمْ سَبِيلَ
أَعْمَالِهِمْ ۚ إِنَّهُمْ بِمَا يَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ۚ فَاسْتَقِمْ
كَمَا أُمِرْتَ وَمَنْ تَابَ مَعَكَ وَلَا تَطْغَوْا ۚ إِنَّهُ
بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ۚ وَلَا تَرْكَبُوا إِلَى الَّذِينَ
ظَلَمُوا فَيَتَسَكَّمُ النَّارُ ۚ وَمَا لَكُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ
مِنْ أَوْلِيَاءَ ثُمَّ لَا تُنصَرُونَ ۚ وَأَقِمِ الصَّلَاةَ طَرَفِي
التَّهَارِ وَزُلْفًا ۚ إِنَّ الْحَسَنَاتِ يُذْهِبْنَ

الشَّيَاطِ

مَنْ

326

વલ અરદુ ઘલ્લા મા શાઆ રબુક ૫
વ ઝમીન રહેં મગર જિતના તુમ્હારે રબ ને ચાહા,

અતોઅન ગયરા મજમૂઝ ૦ ફલા
યે બખ્શિશ હે કભી ખત્મ ન હોગી. તો

તફુ ફી મિર્-યતિમ મિમ્મા યર-બુદુ
અય સુનને વાલે ધોકે મેં ન પળ ઉસસે જિસે યે કાફિર પૂજતે હેં,

હો-ઉલાય્ ૫ મા યર-બુદૂના ઘલ્લા કમા
યે વૈસા હી પૂજતે હેં જૈસા

યર-બુદુ આબાઉહુમ મિન ફલ ૫
પેહલે ઉનકે બાપ-દાદા પૂજતે થે,

વ ઘન્ના લ-મુવફ-ફૂહુમ નસી-બહુમ
ઔર બેશક હમ ઉનકા હિસ્સા ઉન્હેં પૂરા ફેર દેંગે

ગયરા મન્ફૂસ ૦ વ લ-ફદ આતયના મૂસલ કિતાબા ફખ્તુલિફા ફીહ ૫
જિસમેં કમી ન હોગી. ઔર બેશક હમને મૂસા કો કિતાબ દી તો ઉસમેં ફૂટ પળ ગઈ

વ લવ્લા કલિ-મતુન સ-બ-ફત મિર રબ્બિકા લ-ફુદિયા બય-નહુમ ૫
અગર તુમ્હારે રબ કી એક બાત પેહલે ન હો ચુકી હોતી તો જભી ઉનકા ફૈસલા કર દિયા જાતા

વ ઘન્નહુમ લ-ફી શક્કિમ મિન્હુ મુરીબ ૦ વ ઘન્ના ફુલ્લલ લમ્મા
ઔર બેશક વો ઉસકી તરફ સે ધોકા ડાલનેવાલે શક મેં હેં. ઔર બેશક જિતને હેં એક એક કો

લ-યુવફ-ફિયન્નહુમ રબુકા અર-મા-લહુમ ૫ ઘન્નહૂ બિમા યર-મલૂના
તુમ્હારા રબ ઉસકા અમલ પૂરા ભર દેગા, ઉસે ઉનકે કામોં કી

ખબીર ૦ ફસ્તકિમ કમો ઉમિર્તા વ મન તાબા મ-અકા વલા તત્ગાવ્ ૫
ખબર હે. તો કાઈમ રહો જૈસા તુમ્હેં હુકમ હે ઔર જો તુમ્હારે સાથ રુજૂઅ લાયા હે ઔર અય લોગો સરકશી ન કરો,

ઘન્નહૂ બિમા તર-મલૂના બસીર ૦ વલા તર-ફૂઝ ઘલલ લમ્મીના મ્-લમૂ
બેશક વો તુમ્હારે કામ દેખ રહા હે. ઔર ઝાલિમોં કી તરફ ન ઝુકો

ફ-ત-મસ્સફુમુન નારુ ૫ વમા લફુમ મિન દૂનિલાહિ મિન અવ્લિયાઆ
કે તુમ્હેં આગ છૂએગી, ઔર અલ્લાહકે સિવા તુમ્હારા કોઈ હિમાયતી નહીં

સુમ્મા લા તુન્સરૂન ૦ વ અફિમિસ સલાતા ત-રફિયિન નહારિ વ
ફિર મદદ ન પાઓગે. ઔર નમાઝ કાઈમ રખ્ખો દિન કે દોનોં કનારોં ઔર

મુ-લફમ મિનલ લય્લ ૫ ઘન્નલ હ-સનાતિ યુમ્હિબ્નસ
કુછ રાતકે હિસ્સોંમેં, બેશક નેકિયાં બુરાઈયોં કો મિટા દેતી હેં,

السَّيِّئَاتِ ۚ ذَٰلِكَ ذِكْرِي لِلذَّاكِرِينَ ۝ وَاصْبِرْ
فَإِنَّ اللَّهَ لَا يُضِيعُ أَجْرَ الْحَسِنِينَ ۝ فَلَوْلَا
كَانَ مِنَ الْقَرُورِ مِنْ قَبْلِكُمْ أُولُوا بَقِيَّةٍ
يَسْتَمُونَ عَنِ الْفَسَادِ فِي الْأَرْضِ إِلَّا قَلِيلًا مِمَّنْ
أَجْنَبْنَا مِنْهُمْ ۚ وَأَتَّبِعَ الَّذِينَ ظَلَمُوا مَا أَتَوْا فِيهِ
وَكَانُوا مُجْرِمِينَ ۝ وَمَا كَانَ رَبُّكَ لِيُهْلِكَ
الْقُرَى بِظُلْمٍ وَأَهْلِهَا مُصْلِحُونَ ۝ وَلَوْ شَاءَ
رَبُّكَ لَجَعَلَ النَّاسَ أُمَّةً وَاحِدَةً ۚ وَلَا يَزَالُ النَّاسُ
مُخْتَلِفِينَ ۝ إِلَّا مَنْ رَحِمَ رَبُّكَ ۚ وَلِذَٰلِكَ خَلَقَهُمْ ۚ
وَتَمَّتْ كَلِمَةُ رَبِّكَ لَا مَلَكْنَ جَهَنَّمَ مِنَ الْجِنَّةِ
وَالنَّاسِ أَجْمَعِينَ ۝ وَكَلَّا تَقْصُصُ عَلَيْكَ مِنْ
أَنْبَاءِ الرُّسُلِ مَا نُنْثِيَتْ بِهِ فُؤَادَكَ ۚ وَجَاءَكَ فِي
هَٰذِهِ الْحَقُّ وَمَوْعِظَةٌ وَذِكْرَىٰ لِلْمُؤْمِنِينَ ۝ وَقُلْ

لِلَّذِينَ

مَنْزِلَ

327

सयिआत ७ मालिका मिकरा लिम
ये नसीहत है

माकिरीन ८ वस्तिर इ-धन्नलाह।
नसीहतमाननेवालोंको और सभ्र करो के अल्लाह

ला युदीह अजरल मुहसिनीन ०
नेकों का नेग आयेअ नहीं करता.

इ-लप्ला काना मिनल कुरूनि मिन
तो क्यूं न हुअे तुममेंसे अगली संगतों में

इज्जिलकुम उलू अकिथ्यतिथ् यन्हपना
ऐसे जिनमें ललाई का कुछ छिस्सा लगा रहा होता के

अनिल इसादि हिल अरदि धल्ला
अमीनमें इसाद से रोकते, हां

कलीलम मिमन अन्जयना मिन्हुम ८ पत्त-अयल लमीना म-लमू
उनमें थोणे थे वही जिनको हमने नजात दी, और अलिम उसी ऐशके पीछे पणे रहे

मो उत्तिरू हीहि व कानू मुजिरमीन ० पमा काना रब्बुका
जो उन्हें दिया गया और वो गुनेहगार थे. और तुम्हारा रब ऐसा नहीं के

लि-युहलिकल कुरा जि-मुल्मिप् व अहलुहा मुस्लिहून ० व लप् शाआ
अस्तियों को बे-वजह उलाक करदे और उनके लोग अरछे हों. और अगर

रब्बुका ल-ज-अलन नासा उम्मतंप् वाहि-दतंप् पला यमालूना
तुम्हारा रब याहता तो सब आदमियों को अक ही उम्मत कर देता और वो हमेशा

मुप्तलिहीन ८ धल्ला मर रहिमा रब्बुका ७ व लि-मालिका म-ल-कहुम ७
धप्तेलाई में रहेंगे. मगर जिनपर तुम्हारे रब नेरहम किया, और लोग इसीलिअे बनाअे हैं,

व तम्मत कलि-मतु रज्जिक। ल-अम्लअन्न। जहन्नमा मिनल
और तुम्हारे रब की बात पूरी हो चुकी के बेशक जहर जहन्नम भर दूंगा

जिन्नति पन्नासि अजमर्धन ० व कुलन नकुरसु अ-लय्का
जिन्नों और आदमियों को मिलाकर. और सबकुछ हमें तुम्हें

मिन अम्माधर रुसुलि मा नुस्रज्जितु मिही कुआदक ८ व ज-अका ही
रसूलोंकी जबरें सुनाते हैं जिससे तुम्हारा दिल ठेहराअे और

हाजिहिल हककु व मप्-धम्रतुंप् व मिकरा लिल मुय-मिनीन ० व कुल
ईस सूरत में तुम्हारे पास उक आया और मुसलमानों को पन्दो नसीहत. और

لَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ أَعْمَلُوا عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ إِنَّا عَمِلُونَ ۖ وَانْتَظِرُوا إِنَّا مُنْتَظِرُونَ ۖ وَبِاللَّهِ غَيْبُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَإِلَيْهِ يُرْجَعُ الْأَمْرُ كُلُّهُ فَاعْبُدْهُ وَتَوَكَّلْ عَلَيْهِ ۚ وَمَا رَبُّكَ بِغَافِلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ ۖ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝ إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ قُرْآنًا عَرَبِيًّا لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ۝ نَحْنُ نَقُصُّ عَلَيْكَ أَحْسَنَ الْقَصَصِ بِمَا أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ هَٰذَا الْقُرْآنَ ۖ وَإِنْ كُنْتَ مِنْ قَبْلِهِ لَمَنِ الْغَافِلِينَ ۝ إِذْ قَالَ يُوسُفُ لِأَبِيهِ يَا أَبَتِ إِنِّي رَأَيْتُ أَحَدَ عَشَرَ كَوْكَبًا وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ رَأَيْتُهُمْ لِي سَاجِدِينَ ۝ قَالَ يَبْنَئِي لَكَ تَقْصُصُ رُءْيَاكَ عَلَىٰ إِخْوَتِكَ فَيَكِيدُوا لَكَ

લિલ્લમીના લા યુર-મિનૂનર-મલૂ
કાફિરોં સે ફરમાઓ

અલા મકા-નતિકુમ ટ ઇન્ના
તુમ અપની જગહ કામ કિએ જાઓ, હમ

આમિલૂન ઠ વન્તમિરૂ ઢ ઇન્ના
અપના કામ કરતે હેં, ઓર રાહ દેખો હમ ભી

મુન્તમિરૂન ઠ વ લિલ્લાહિ ગયુબુસ
રાહ દેખતે હેં. ઓર અલ્લાહ હી કે લિએ હે

સમાવાતિ વલ અરદિ વ ઇલય્હિ
આસમાનોં ઓર ઝમીન કે ગૈબ ઓર ઉસીકી તરફ

યુર-જઉલ અમુ ફુલ્લુહ ફર-બુદહુ વ
સબ કામોં કી રુજૂઅ હે તો ઉસકી બન્દગી કરો ઓર

તવક-કલ અલેહ ટ વમા રબુકા બિ-ગાફિલિન અમ્મા તર-મલૂન ઠ
ઉસપર ભરોસા રખો, ઓર તુમહારા રબ તુમહારે કામોં સે ગાફિલ નહીં.

સૂરઘ યૂસુફ

મક્કી હે, ઇસમેં ૧૧૧ આયતેં ઓર ૧૨ રુકૂઅ હેં

બિસ્મિલ્લા હિર્રહમા નિર્રહીમ ઠ

અલ્લાહકે નામસે શુરૂઅ જો બહુત મેહરબાન રહમવાલા

અલિફ-લામ-રા વ તિલ્કા આયાતુલ કિતાબિલ મુબીન ઠ ઇન્નો
યે રૌશન કિતાબ કી આયતેં હેં. બેશક હમને

અન્નાહુ ફુરઆનન અ-રબિયલ લઅલ્લકુમ તર-ફિલૂન ઠ
ઇસે અરબી ફુરઆન ઉતારા કે તુમ સમજો.

નહનુ નફુસ્સુ અ-લય્કા અહ-સનલ ક-સસિ બિમો અવ્-હય્નો
હમ તુમહેં સબસે અચ્છા બયાન સુનાતે હેં ઇસલિએ કે હમને

ઇ-લય્કા હામલ ફુરઆન ટ વ ઇન ફુન્તા મિન ફઝિહી લ-મિનલ
તુમહારી તરફ ઇસ ફુરઆન કી વહી ભેજ અગરયે બેશક ઇસસે પેહલે તુમહેં

ગાફિલીન ઠ ઇમ કાલા યૂસુફ લિ-અબીહિ યો અ-બતિ ઇન્ની ર-અય્તુ
બબર ન થી. યાદ કરો જબ યૂસુફ ને અપને બાપ સે કહા અય મેરે બાપ મેંને

અ-હદા અ-શરા કવ્-કબંવ વશશમ્સા વલ ક-મરા ર-અય્તુહુમ લી
ગ્યારહ તારે ઓર સૂરજ ઓર યાદ દેખે ઉન્હેં અપને લિએ

સાજિદીન ઠ કાલા યા બુનય્યા લા તફસુસ રુચ-યાકા અલો ઇપ્પતિકા
સજદા કરતે દેખા. કહા અય મેરે બચ્ચે અપના ખ્વાબ અપને ભાઈયોં સે ન કેહના

فَيَكِيدُوا لَكَ كَيْدًا إِنَّ الشَّيْطَانَ لِلْإِنْسَانِ عَدُوٌّ مُبِينٌ ۝ وَكَذَلِكَ يَجْتَبِيكَ رَبُّكَ وَيُعَلِّمُكَ مِنْ تَأْوِيلِ الْأَحَادِيثِ وَيُتِمُّ نِعْمَتَهُ عَلَيْكَ وَعَلَىٰ آلِ يَعْقُوبَ كَمَا أَتَتْهَا عَلَىٰ أَبِيكَ مِنْ قَبْلُ إِزْهِيْمَ وَاسْتَقِمْ إِنَّ رَبَّكَ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ۝ لَقَدْ كَانَ فِي يُوسُفَ وَإِخْوَتِهِ آيَاتٍ لِّلْمَسْأَلِينَ ۝ إِذْ قَالُوا لِيُوسُفُ وَأَخُوهُ أَحَبُّ إِلَيْنَا مِمَّا مَنَّا وَحَسُّنَا عُصْبَةً إِنَّ أَبَانَا لَفِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۝ اقْتُلُوا يُوسُفَ أَوْ اطْرَحُوهُ أَرْضًا يَخْلُ لَكُمْ وَجْهُ أَبِيكُمْ وَتَكُونُوا مِنْ بَعْدِهِ قَوْمًا صَالِحِينَ ۝ قَالَ قَائِلٌ مِّنْهُمْ لَا تَقْتُلُوا يُوسُفَ وَالْقَوْهَ فِي غَيْبَتِ الْجَبِّ يَلْبَقِظُهُ بَعْضُ السَّيَّارَةِ إِن كُنتُمْ فَاعِلِينَ ۝ قَالُوا يَا أَبَانَا مَا لَكَ لَا تَأْمَنَّا عَلَىٰ يُوسُفَ وَإِنَّا

لَهُ نَصِصُونَ

مَنْزِل ۳

329

ફ-યકીદૂ લકા કય્દા ۞ ઇન્નશ
વો તેરે સાથ કોઈ ચાલ ચલેંગે, બેશક
શય્તાના લિલ ઇન્સાનિ અદુવ્વમ
શૈતાન આદમી કા ખુલા દુશ્મન હે.

મુબીન ૦ વ કમાલિકા યજતબીકા
ઔર ઈસી તરહ તુઝે

રબુકા વ યુઅલ્લિમુકા મિન તર-વીલિલ
તેરા રબ યુન લેગા ઔર તુઝે બાતોં કા અન્જામ નિકાલના

અહાદીસિ વ યુતિમ્મુ નિર-મ-તદ્
સિખાએગા ઔર તુઝપર અપની ને'મત પૂરી કરેગા

અ-લય્કા વ અલો આલિ યર-ફૂબા
ઔર યા'ફૂબ કે ઘર વાલોં પર

કમો અતમ્મહા અલો અ-બવય્કા મિન કબુ ઇબ્રાહીમા વ ઇસ્હાક ۞
જિસ તરહ તેરે પેહલે દોનોં બાપ-દાદા ઇબ્રાહીમ ઔર ઇસહાક પર પૂરી કી,

ઇન્ના રબકા અલીમુન હકીમ ૦ લ-ફદ કાના ફી યૂસુફા વ
બેશક તેરા રબ ઇદમો હિકમત વાલા હે. બેશક યૂસુફ ઔર

ઇપ્તિહો આયાતુલ લિસ સાઇલીન ૦ ઇમ્મ કાલૂ લ-યૂસુફુ વ અખૂહુ
ઉસકે ભાઈયોં મેં પૂછને વાલોં કે લિએ નિશાનિયાં હેં. જબ બોલે કે ઝરૂર યૂસુફ ઔર ઉસકા ભાઈ

અહબુ ઇલો અબીના મિન્ના વ નહનુ ઉસ્બહ ۞ ઇન્ના અભાના
હમારે બાપકો હમસે ઝિયાદા પ્યારે હેં ઔર હમ એક જમાઅત હેં; બેશક હમારે બાપ

લ-ફી દલાલિમ મુબીન ૦ ઉક્તુલૂ યૂસુફા અપિત્રહુ અર્દંય યખુ
સરાહતન ઉનકી મુહબ્બત મેં ડૂબે હુએ હેં. યૂસુફ કો માર ડાલો યા કહીં ઝમીન મેં ફેંક આઓ કે

લકુમ વજહુ અબીકુમ વ તફૂનૂ મિમ બર-દિહી કપ્-મન સાલિહીન ૦
તુમ્હારે બાપકા મુંહ સિર્ફ તુમ્હારી હી તરફ રહે ઔર ઉસકે બાદ ફિર નેક હો જાના.

કાલા કાઇલુમ મિન્હુમ લા તફતુલૂ યૂસુફા વ અફ્ફુ ફી ગયા-બતિલ
ઉનમેં એક કેહનેવાલા બોલા યૂસુફ કો મારો નહીં ઔર ઈસે અન્ધે કુંવેં મેં ડાલ દો

જુબ્બિ યલ્તફિત્હુ બર-દુસ સરયા-રતિ ઇન ફુન્તુમ ફાઇલીન ૦
કે કોઈ ચલતા ઈસે આકર લે જાએ અગર તુમ્હેં કરના હે.

કાલૂ યો અભાના મા લકા લા તર-મન્ના અલા યૂસુફા વ ઇન્ના
બોલે અય હમારે બાપ આપકો ક્યા હુવા કે યૂસુફ કે મુઆમલે મેં હમારા એ'તેબાર નહીં કરતે ઔર હમ

لَهُ لَنُصْحُونَ ۝ أَرْسَلَهُ مَعَنَا غَدًا يَرْتَع وَيَلْعَب
وَرَأَى لَهُ لَحُوفُظُونَ ۝ قَالَ إِنِّي لَيَحْزُنُنِي أَنَّ تَذْهَبُوا
بِهِ وَأَخَافُ أَنْ يَأْكُلَهُ الذِّئْبُ وَأَنْتُمْ عَنْهُ
غَافِلُونَ ۝ قَالُوا لَئِنْ أَكَلَهُ الذِّئْبُ وَنَحْنُ عُصْبَةٌ إِنَّا
إِذَا الْخَسِرُونَ ۝ فَلَمَّا ذَهَبُوا بِهِ وَاجْتَمَعُوا أَنْ يُعْلَمُوهُ
فِي عَيْبَتِ الْجَبِّ وَأَوْحَيْنَا إِلَيْهِ لَتُنَجِّيَنَّهُمْ بِأَمْرِهِمْ
هَذَا وَهُمْ لَا يَشْعُرُونَ ۝ وَجَاءُوا آبَاهُمْ عِشَاءً
يَبْكُونَ ۝ قَالُوا يَا أَبَانَا إِنَّا ذَهَبْنَا نَسْتَبِقُ وَتَرَكْنَا
يُوسُفَ عِنْدَ مَتَاعٍ فَأَكَلَهُ الذِّئْبُ ۝ وَمَا أَنْتَ بِمُؤْمِنٍ
لَنَا وَلَوْ كُنَّا صَادِقِينَ ۝ وَجَاءُوا عَلَى قَمِيصِهِ بِدَمٍ
كَذِبٍ ۝ قَالَ بَلْ سَوَّلَتْ لَكُمْ أَنْفُسُكُمْ أَمْراً ۝ فَصَبَّرْ
جَمِيلٌ ۝ وَاللَّهُ الْمُسْتَعَانُ عَلَى مَا تَصِفُونَ ۝ وَجَاءَتْ
سَيَّارَةٌ فَأَرْسَلُوا وَارِدَهُمْ فَأَدْلَى دَلْوَهُ قَالَ لِلْيَشَارَى

هَذَا غُلَامٌ

مَنْزِل

330

लहू ल-नासिहून ० अरसिहू म-अना गहंय
तो इसके भैरवाह हैं. कल इसे हमारे साथ भेज दीजिये के

यस्तय व यल्यम व धन्ना लहू ल-हाकिमून ०
मेवे भाओ और भेले और बेशक हम इसे निकालवान हैं.

झाला धन्नी ल-यह्मुनुनी अन तम्-हभू
भोला बेशक मुझे रज देगा के इसे ले

भिही व अभाकु अंय यर-कु-लहुम
जाओ और डरता हूं के इसे भेजिया भाले

मिर-भु व अन्तुम अन्हु गाहिलून ०
और तुम इससे भे-भबर रहो.

झालू ल-धन अ-क-लहुम मिर-भु व नहनु
भोले अगर इसे भेजिया जा जाओ और हम

उरुमतुन धन्नो धमल ल-भासिरून ० इ-लम्मा म-हभू भिही व अजमि
अक जमाअत हैं जब तो हम किसी मसरफ के नहीं. फिर जब उसे ले गये और सबकी राय यही ठहरी

अंय यजयलूहू झी गया-मतिल जुम ट व अप-हयनो धलयहि
के उसे अन्धे कुंवें में डाल दें और हमने उसे वही भेज

ल-तुनठिअन्नहुम मि-अमिहिम हागा वहम ला यरुहून ० व जेठि
के जरूर तू उन्हें उनका ये काम जता देगा ऐसे वक्त के वो न जानते होंगे. और

अभाहुम धशाअंय यरुहून ० झालू यो अमानो धन्ना महन्ना नस्तभिहु
रातहुअपनेभापकेपासरोतेहुआओ भोले अय हमारेभाप हम दौण करते निकल गये

व ल-रकना यूसुफ धन्दा मताधना इ-अ-क-लहुम मिर-भ ट वमो अन्ता
और यूसुफ को अपने असबाब के पास छोणा तो उसे भेजिया जा गया, और आप

मि-मुच-मिनिल लना व लप् कुन्ना सादिहीन ० व जेठि अला कमीसिही
किसी तरह हमारा यकीन न करेंगे अगरये हम सच्यें हों. और उसके कुरते पर

मि-दमिन कजिभ ७ झाला भल सव्वलत लकुम अन्हुसुकुम अम्मा ७
अक जूटा भून लगा लाओ, कडा बढे तुम्हारे दिलोंने अक बात तुम्हारे वासते बना ली है,

इ-सदुन जमील ७ वल्लाहुल मुस्तयानु अला मा तसिहून ० व जयत
तो सभ्र अच्छा, और अल्लाह ही से मदद याहता हूँ उन बातोंपर जो तुम बता रहे हो. और

सय्या-रतुन इ-अर्-सलू वारि-दहुम इ-अह्ला दल्पह ७ झाला या भुशरा
अक कइला आया उन्होंने अपना पानी लानेवाला भेजा तो उसने अपना डोल डाला, भोला आछा कैसी भुशी की बात है

هَذَا غُلَامٌ وَأَسْرُوهُ بَضَاعَةً ۖ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِمَا يَعْمَلُونَ ۝
وَسَرَّوْهُ بِشَبَبٍ بَخْسٍ دَرَاهِمَ مَعْدُودَةٍ ۖ وَكَانُوا فِيهِ
مِنَ الزَّاهِدِينَ ۝ وَقَالَ الَّذِي اشْتَرَاهُ مِنْ مِصْرَ
لِامْرَأَتِهِ أَكْرِمِي مَثْوَاهُ عَسَىٰ أَنْ يَنْفَعَنَا أَوْ
نَتَّخِذَهُ وَلَدًا ۖ وَكَذَلِكَ مَكَتَ يُوسُفُ فِي الْأَرْضِ
وَلِنَعْلَمَ مِنْ تَأْوِيلِ الْأَحَادِيثِ ۖ وَاللَّهُ غَالِبٌ عَلَى
أَمْرِهِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ۝ وَلَمَّا بَلَغَ
أَشَدَّهُ آتَيْنَاهُ حُكْمًا وَعِلْمًا ۖ وَكَذَلِكَ نُجْزِي الْحَسَنِينَ ۝
وَرَأَوْنَاهُ الْيَتِيمَ هُوَ فِي بَيْتِهَا عَنْ نَفْسِهِ وَغَلَّقَتِ
الْأَبْوَابَ وَقَالَتْ هَيْتَ لَكَ ۖ قَالَ مَعَاذَ اللَّهِ إِنَّهُ
رَبِّي أَحْسَنُ مَثْوَايَ ۖ إِنَّهُ لَا يُفْلِحُ الظَّالِمُونَ ۝ وَلَقَدْ
هَمَّتْ بِهِ ۖ وَهَمَّ بِهَا لَوْلَا أَنَّ رَأَىٰ بِرَّهَانَ رَبِّهِ ۖ
كَذَلِكَ لِنَصْرِفَ عَنْهُ السُّوءَ وَالْفَحْشَاءَ ۖ إِنَّهُ مِنْ

عِبَادِنَا

مَنْزِلَ ٣

331

हामा गुलाम ७ व असरूहु बिदाअह ७
ये तो अक लणका है और उसे अक पूंछ बनाकर छुपा लिया,
पल्लाहु अलीमुम भिमा यर-मलून ० व
और अल्लाह जानता है जो वो करते हैं. और
श-रव्हु भि-स-मनिम अफ्सिन दराहिमा
भाईयोने उसे जोटे दामों गिन्ती के रूपों पर बेय डाला,
मर-दूदह ८ व कानू हीहि भिनम माहिदीन ०
और उन्हें उसमें कुछ रगभत न थी.

व कालल लमिरतराहु भिम भिसरा
और भिसर के जिस शप्सने उसे भरीदा
लिम-अतिही अकिरमी मरवाहु असो अंय
वो अपनी औरत से बोला उन्हें ठजगत से रम्भो शायद

यन्फ-अनो अप् नत्तभि-महू व-लदा ७ व क्मालिका मक्कन्ना लि-यूसुफा
उनसे हमें नफा' पडुंये या इनको हम भेटा बना लें, और इसी तरह हमने यूसुफको इस
हिल अरहि १ व लि-नुअल्लि-महू भिन तर-वीलिल अहादीस ७ पल्लाहु
अमीनमें जमावदिया और इसलिये के उसे बातों का अन्जाम सिंभायें, और अल्लाह
गालिबुन अलो अमिही व लाकिन्ना अक-सरन नासि ला यर-लमून ०
अपने काम पर गालिब है मगर अकसर आदमी नहीं जानते.

व लम्मा अ-लग्गा अशुदहू आतय्नाहु हुकमंप् व धल्मा ७ व क्मालिका
और जब अपनी पूरी कुव्वत को पडुंया हमने उसे हुकम और धल्म अता करमाया, और हम ऐसा ही
नज्मिल मुहसिनीन ० व रा-पदह्लल लती हुवा ही अय्तिहा अन नहसिही
सिला देते हैं नेकों को. और वो जिस औरत के घरमें था उसने उसे लुभाया के अपना आपा न रोके

व गल्ल-कतिल अब्बाभा व कालत हय्ता लक ७ काला मयामल्लाहि
और दरवाजे सब बन्द कर दिअे और बोली आओ तुम्हींसे केहती हूं, कहा, अल्लाहकी पनाह,
धन्नहू रब्बी अह-सना मरवाय ७ धन्नहू ला युहलिहुम् मालिमून ०
वो अजीज तो मेरा रब या'नी परवरिश करनेवाला है, उसनेमुझेअच्छीतरह रम्भाभेशकअलिमोंका भला नहीं छेता,

व ल-कद हम्मत भिही ८ व हम्मा भिहा लवलौ अर रया भुरहाना
और भेशक औरतने उसका धरादा किया और वो भी औरतका धरादा करता अगर अपने रब की दलील
रब्बिह ७ क्मालिका लि-नसरिफा अन्हुस सूया वल इहशाय् ७ धन्नहू भिन
न देभ लेता, हमने यूँही किया के उससे भुराई और भे-छयाई को डेर दें, भेशक वो

عِبَادَنَا الْخَاصِينَ ۝ وَاسْتَبَقَا الْبَابَ وَقَدَّتْ قَيْصُصَهُ
مِنْ دُبُرٍ ۝ وَالْفَيَّا سَيِّدَهَا لَهَا الْبَابُ ۝ قَالَتْ مَا جَزَاءُ
مَنْ أَرَادَ بِأَهْلِكَ سُوءًا إِلَّا أَنْ يُسْجَنَ أَوْ عَذَابٌ
أَلِيمٌ ۝ قَالَ هِيَ رَأَوْدَتْنِي عَنْ نَفْسِي وَشَهِدَ شَاهِدٌ
مِنْ أَهْلِهَا ۝ إِنَّ كَانَ قَيْصُصُهُ قَدْ مِنْ قَبْلِ فَصَدَقَتْ
وَهُوَ مِنَ الْكَذِبِينَ ۝ وَإِنْ كَانَ قَيْصُصُهُ قَدْ مِنْ
دُبُرٍ فَكَذَّبَتْ وَهُوَ مِنَ الصَّادِقِينَ ۝ فَلَمَّا رَأَى قَيْصُصَهُ
قَدْ مِنْ دُبُرٍ قَالَ إِنَّهُ مِنْ كَيْدِكَ ۝ إِنْ كَيْدُكَ
عَظِيمٌ ۝ يُؤَسِّفُ أَعْرَضَ عَنْ هَذَا عَنَّا وَاسْتَغْفِرُنِي
لِدُنْيَاكَ ۝ إِنَّكَ كُنْتَ مِنَ الْخَاطِئِينَ ۝ وَقَالَ نِسْوَةٌ
فِي الْبَدِينَةِ ۝ امْرَأَتُ الْعَزِيزِ تُرَاوِدُ فَتَاهَا عَنْ نَفْسِهِ ۝
قَدْ شَغَفَهَا حُبًّا ۝ إِنَّا لَنَرَاهَا فِي ضَلَالٍ مُبِينٍ ۝
فَلَمَّا سَمِعَتْ بِمَكْرِهِنَّ أَرْسَلَتْ إِلَيْهِنَّ وَأَعْتَدَتْ

لَهُنَّ مَكْرًا

مَنْزِلًا

312

ઇબાદિનલ મુખ્લસીન ૦ વસ્ત-બકલ
હમારે યુને હુએ બન્દોં મેંસે હે. ઓર દોનોં

બાબા વ ફદ્દત કમી-સહૂ મિન દુબુરિવ્
દરવાઝે કી તરફ દોળે ઓર ઓરતને ઉસકા કુરતા પીછે સે ચીર લિયા

વ અલ્ફયા સચ્ચિ-દહા લ-દલ બાબ ૫
ઓર દોનોંકો ઓરત કા મિયાં દરવાઝે કે પાસ મિલા,

કાલત મા જમાઉ મન અરાદા બિ-અહલિકા
બોલી કયા સજા હે ઉસકી જિસને તેરી ઘરવાલી સે બદી ચાહી

સૂઅન ઇલ્લો અંય્ યુસ્જના અપ્ અમાબુન
મગર યે કે કેદ કિયા જાએ યા દુખ કી માર.

અલીમ ૦ કાલા હિયા રા-વ-દત્તી અન
કહા ઇસને મુઝકો લુભાયા કે

નફસી વ શહિદા શાહિદુમ મિન અહલિહા ૮ ઇન કાના ફમીસુહૂ ફુદ્દા
મૈંઅપની હિફાઝત ન કરું ઓર ઓરતકે ઘરવાલોં મેંસે એક ગવાહને ગવાહી દી અગર ઇનકા કુરતા

મિન ફુબુલિન ફ-સ-દફત વહુવા મિનલ કામિબીન ૦ વ ઇન કાના
આગે સે ચિરા હે તો ઓરત સચ્ચી હે ઓર ઇન્હોંને ગલત કહા. ઓર અગર

ફમીસુહૂ ફુદ્દા મિન દુબુરિન ફ-ક-મખત વહુવા મિનસ સાદિકીન ૦
ઇનકા કુરતા પીછે સે ચાક હુવા તો ઓરત ઝૂટી હે ઓર યે સચ્ચે.

ફ-લમ્મા રયા ફમી-સહૂ ફુદ્દા મિન દુબુરિન કાલા ઇન્નહૂ મિન
ફિર જબ અઝીઝ ને ઉસકા કુરતા પીછે સે ચિરા દેખા બોલા બેશક યે તુમ

કય્દિકુન્ન ૫ ઇન્ના કય્-દકુન્ના અમીમ ૦ યૂસુફ અર-રિદ અન હામ્મા
ઓરતોંકા ચરિત્ર (ફરેબ) હે, બેશક તુમ્હારા ચરિત્ર (ફરેબ) બળા હે. અય યૂસુફ તુમ ઇસકા ખયાલ ન કરો,

વસ્તરિફરી લિ-મમ્મિકિ હૈ ઇન્નકિ ફુન્તિ મિનલ ખાતિઈન ૦ વ કાલા
ઓર અય ઓરત તૂઅપને ગુનાહ કી મુઆફી માંગ, બેશક તૂ ખતાવારોંમેં હે. ઓર

નિસ્વતુન ફિલ મદી-નતિમ્-અતુલ અમીમ તુરાવિદુ ફતાહા અન
શહેર મેં કુછ ઓરતેં બોલીં કે અઝીઝ કી બીબી અપને નૌજવાન કા દિલ લુભાતી હે,

નફસિહ ૮ ફદ શ-ગ-ફહા હુબ્બા ૫ ઇન્ના લ-નરાહા ફી દલાલિમ મુબીન ૦
બેશક ઉનકી મુહબ્બત ઉસકે દિલમેં પેર ગઈ (સમા ગઈ) હે, હમ તો ઉસે સરીહ ખુદ રફતા પાતે હેં.

ફ-લમ્મા સમિઅત બિ-મકરિહિન્ના અરસલત ઇલય્હિન્ના વ અર-તદત
તો જબ ઝુલેખા ને ઉનકા ચરયા સુના તો ઉન ઓરતોંકો બુલા ભેજા ઓર

لَهُنَّ مَتَكًا وَآتَتْ كُلَّ وَاحِدَةٍ مِّنْهُنَّ سِكِّينًا
وَقَالَتِ الْخُجَّاعُ عَلَيْهِنَّ ۖ فَلَمَّا رَأَيْنَهُ أَكْبَرْنَهُ وَقَطَّعْنَ
أَيْدِيَهُنَّ وَقُلْنَ حَاشَ لِلَّهِ مَا هَذَا بَشَرًا إِنْ هَذَا
إِلَّا مَلَكٌ كَرِيمٌ ۝ قَالَتْ فَذَلِكُنَّ الَّذِي لُمْتُنَّنِي فِيهِ
وَلَقَدْ رَاوَدْتُهُ عَنْ نَفْسِهِ فَاسْتَعْصَمَ وَلَئِن لَّمْ
يَفْعَلْ مَا أُمِرْتُ لَيُجَنَّبَنَّ وَلَيْكُنَّا مِنَ الصَّغِيرِينَ ۝
قَالَ رَبِّ السِّجْنُ أَحَبُّ إِلَيَّ مِمَّا يَدْعُونَنِي إِلَيْهِ
وَلَا تَصْرِفْ عَنِّي كَيْدَهُنَّ أَصْبُ إِلَيْهِنَّ وَأَكُنْ مِنَ
الْجَاهِلِينَ ۝ فَاسْتَجَابَ لَهُ رَبُّهُ فَصَرَفَ عَنْهُ كَيْدَهُنَّ
إِنَّهُ هُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ۝ ثُمَّ بَدَأَ لَهُمْ مِنْ بَعْدِ مَا رَأَوُا
الْآيَاتِ لِيَسْجُنَّهٗ حَتَّىٰ حِينٍ ۝ وَدَخَلَ مَعَهُ السِّجْنَ
فَتَيْنٍ ۖ قَالَ أَحَدُهُمَا إِنِّي أَرَانِي أَعْصِرُ خَمْرًا
وَقَالَ الْآخَرُ إِنِّي أَرَانِي أُورِثُ ثَرًا ۖ قَالَ لَوْلَا
أَرَأَيْتَ إِنْ جَاءَاكَ عَصَاكَ وَأَنَّكَ الْكَافِرُ ۖ

الظُّلُمَاتِ

مَثَلٌ ۚ

333

લહુન્ના મુત્ત-કઅંવ્ વ આતત ફુલ્લા
ઉનકે લિએ મસનદે તૈયાર કીં ઓર
વાહિ-દતિમ મિન્હુન્ના સિક્કીનંવ્ વ
ઉનમેં હર એક કો એક છુરી દી ઓર
કા-લતિખુજ અ-લય્હિન્ન ૮ ફ-લમ્મા
યૂસુફ સે કહા ઇનપર નિકલ આઓ, જબ
ર-અય્-નહૂ અફબર-નહૂ વ ફત્તર-ના
ઔરતોને યૂસુફ કો દેખા ઉસકી બળાઈ બોલને લગીં ઓર
અય્દિ-યહુન્ના વ ફુલ્ના હાશા લિલ્લાહિ
અપને હાથ કાટ લિએ, ઓર બોલીં અલ્લાહકો પાકી હૈ
મા હામા બ-શરા ૭ ઇન હામા ઇલ્લા
યે તો જિન્સે બશર સે નહીં, યે તો નહીં મગર

મ-લફુન કરીમ ○ કાલત ફ-માલિફુન્નલ લમ્મી લુમ્તુન્નની ફીહ ૭
કોઈ મુઅઝ્ઝઝ ફરિશ્તા. જુલેખા ને કહા તો યે હૈં વો જિનપર તુમ મુઝે તા'ના દેતી થીં,
વ લ-ફદ રાવત્તુહૂ અન નફસિહી ફસ્તર-સમ ૭ વ લ-ઇલ્લમ યફ-અલ
ઔર બેશક મૈંને ઇનકા જી લુખાના ચાહા તો ઇન્હોંને અપને આપકો બચાયા, ઔર બેશક અગર વો યે
મો આમુરુહૂ લ-યુસ્જનન્ના વ લ-યફૂનમ મિનસ સાગિરીન ○ કાલા રઘિસ
કામ ન કરેંગે જો મૈં ઉનસે કેહતી હૂં તો ઝરૂર કેદમેં પળેંગે ઔર ઝરૂર ઝિલ્લત ઉઠાએંગે યૂસુફ ને અઝ્ઝકી અય
સિજનુ અહબ્બુ ઇલય્યા મિમ્મા યદિ-નની ઇલેહ ૮ વ ઇલ્લા તસ્રિફ
મેરે રબ મુઝે કેદખાના ઝિયાદા પસન્દ હૈ ઉસ કામસે જિસકી તરફ યે મુઝે બુલાતી હૈં, ઔર અગર તૂ
અન્ની કય્-દહુન્ના અરબુ ઇ-લય્હિન્ના વ અફુમ મિનલ જાહિલીન ○
મુઝસે ઇનકા મક ન ફેરેગા તો મૈં ઇનકી તરફ માઈલ હૂંગા ઔર નાદાન બનૂંગા.
ફસ્તખામા લહૂ રબુહૂ ફ-સ-રફા અન્હુ કય્-દહુન્ન ૭ ઇન્હૂ હુવસ
તો ઉસકે રબને ઉસકી સુન લી ઔર ઉસસે ઔરતોંકા મક ફેર દિયા, બેશક વહી
સમીઉલ અલીમ ○ સુમ્મા બદા લહુમ મિમ બર-દિ મા ર-અવુલ આયાતિ
સુનતા જાનતા હૈ. ફિર સબકુછ નિશાનિયાં દેખ દિખાકર પિછલી મત ઉન્હેં યહી આઈ
લ-યસ્જુન્નહૂ હત્તા હીન ૮ વ દ-ખલા મ-અહુસ સિજના ફ-તયાન ૭
કે ઝરૂર એક મુદત તક ઉસે કેદખાને મેં ડાલેં ઔર ઉસકે સાથ કેદખાનેમેં દો જવાન દાખિલ હુએ,
કાલા અ-હદુહુમો ઇન્ની અરાની અર-સિરુ ખમ્મા ૮ વ કાલલ
ઉનમેં એક બોલા મૈંને ખ્વાબ દેખા કે શરાબ નિચોળતા હૂં ઔર
આ-ખરુ ઇન્ની અરાની અહમિલુ ફફ્ફા રર-સી ખુબ્બન તર-ફુલુત
દૂસરા બોલા મૈંને ખ્વાબ દેખા કે મેરે સર પર કુછ રોટિયાં હૈં

الظَّيْرِ مِنْهُ دَنَيْنَا بِتَأْوِيلِهِ إِنَّا نُرِيدُكَ مِنَ الْمَحْسِنِينَ
قَالَ لَا يَأْتِيَكُمَا طَعَامٌ تُرْزَقَانِ إِلَّا نَبَأَكُمَا بِتَأْوِيلِهِ
قَبْلَ أَنْ يَأْتِيَكُمَا ذَلِكُمَا مِمَّا عَلَّمَنِي رَبِّي إِنِّي
تَرَكْتُ مِلَّةَ قَوْمٍ لَا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَهُمْ بِالْآخِرَةِ قَوْمٌ
كَافِرُونَ ۝ وَاتَّبَعْتُ مِلَّةَ آبَائِي إِبْرَاهِيمَ وَإِسْحَاقَ
وَيَعْقُوبَ مَا كَانَ لَنَا أَنْ نَشْرِكَ بِاللَّهِ مِنْ شَيْءٍ
ذَلِكَ مِنْ فَضْلِ اللَّهِ عَلَيْنَا وَعَلَى النَّاسِ وَلَئِنْ أَكْثَرَ
النَّاسِ لَا يَشْكُرُونَ ۝ يَصَاحِبِي السَّجْنَاءَ أَرْبَابٌ
مُتَفَرِّقُونَ خَيْرٌ أَمِ اللَّهُ الْوَاحِدُ الْقَهَّارُ ۝ مَا تَعْبُدُونَ
مِنْ دُونِهِ إِلَّا أَسْمَاءُ سَمَّيْتُمُوهَا أَنْتُمْ وَآبَاؤُكُمْ مَا أَنْزَلَ
اللَّهُ بِهَا مِنْ سُلْطَانٍ ۝ إِنَّ الْحُكْمَ إِلَّا لِلَّهِ أَمَرَ أَلَّا
تَعْبُدُوا إِلَّا إِيَّاهُ ۝ ذَلِكَ الدِّينُ الْقَيِّمُ وَلَكِنْ أَكْثَرَ
النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ۝ يَصَاحِبِي السَّجْنَاءَ أَمَّا أَحَدُكُمَا

فَيَسْأَلُ

مَنْ

334

તયરુ મિન્હ નબિર-ના બિ-તર-વીલિહ
જિનમેસે પરિદખાતે હૈ, હમેં ઇસકી તા'બીર બતાઈએ,
ઇન્ના નરાકા મિનલ મુહસિનીન ○ ફાલા
બેશક હમ આપકો નેકોકાર દેખતે હૈ. યૂસુફ નેકહા
લા યર-તીકુમા તઅમુન તુર-મફાનિહી
જો ખાના તુમ્હે મિલા કરતા હૈ વો તુમ્હારે પાસ ન આને
ઇલા નબર-તુકુમા બિ-તર-વીલિહી ફલા
પાએગા કે મૈં ઇસકી તા'બીર ઇસકે આને સે પેહલે
અન્ યર-તિ-યકુમા ૭ ઝાલિકુમા મિમ્મા
તુમ્હે બતા દૂગા, યે ઉન ઇલ્મોં મેંસે હૈ
અલ્લ-મની રબ્બી ૭ ઇન્ની ત-રફતુ
જો મુઝે મેરે રબને સિખાયા હૈ, બેશક મૈંને

મિલ્લતા ફમિલ લા યર-મિનૂના બિલ્લાહિ વહુમ બિલ આબિ-રતિ હુમ
ઉન લોગોંકા દીન ન માના જો અલ્લાહ પર ઇમાન નહીં લાતે ઔર વો આબિરત સે
કાફિરૂન ○ વત્તબર-તુ મિલ્લતા આબાઈ ઇબ્રાહીમા વ ઇસ્હાકા વ
મુન્કિર હૈ. ઔર મૈંને અપને બાપ દાદા ઇબ્રાહીમ ઔર ઇસહાક ઔર યા'કૂબ કા દીન ઇજ્તિયાર ક્રિયા,
યર-ફૂબ ૭ મા કાના લનો અન નુશરિકા બિલ્લાહિ મિન શૈઅ ૭ ઝાલિકા
હમેં નહીં પહુંચતા કે કિસી ચીઝકો અલ્લાહકા શરીફ ઠેહરાએ, યે
મિન ફદલિલ્લાહિ અ-લયના વ અલન નાસિ વ લાકિન્ના અક-સરન નાસિ
અલ્લાહકા એક ફઝલ હૈ હમપર ઔર લોગોં પર મગર અકસર લોગ
લા યરફુરૂન ○ યા સાહિ-બયિસ સિજનિ અ-અરબાબુમ મુ-તફરરિકૂના
શુક નહીં કરતે. અય મેરે કૈદખાને કે દોનોં સાથિયો ક્યા જુદા જુદા રબ
ખયરુન અમિલ્લાહુલ વાહિદુલ ફદ્હાર ઠ મા તર-બુદૂના મિન દૂનિહી ઇલ્લો
અચ્છે યા એક અલ્લાહ જો સબપર ગાલિબ. તુમ ઇસકે સિવા નહીં પૂજતે મગર
અસ્માઅન સમ્મયતુમૂહો અન્તુમ વ આબાઉકુમ મો અન્ઝલલ્લાહુ બિહા
નરે નામ જો તુમને ઔર તુમ્હારે બાપ દાદા ને તરાશ લિએ હૈં અલ્લાહને ઉનકી
મિન સુલ્તાન ૭ ઇનિલ હુકમુ ઇલ્લા લિલ્લાહ ૭ અ-મરા અલ્લા તર-બુદૂ
કોઈ સનદ ન ઉતારી, હુકમ નહીં મગર અલ્લાહ કા, ઇસને ફરમાયા કે ઇસકે સિવા
ઇલ્લો ઇચ્ચાહ ૭ ઝાલિકદ દીનુલ ફયિમુ વ લાકિન્ના અક-સરન
કિસીકો ન પૂજો યે સીધા દીન હૈ લેકિન અકસર
નાસિ લા યર-લમૂન ○ યા સાહિ-બયિસ સિજનિ અમ્મો અ-હદુકુમા
લોગ નહીં જાનતે. અય કૈદખાને કે દોનોં સાથિયો તુમમેં એક

فَيَسْقَى رَبَّهُ خَمْرًا وَأَمَّا الْآخَرُ فَيُصْلَبُ فَتَأْكُلُ الطَّيْرُ
 مِنْ رَأْسِهِ ۖ فَخَيَّرَ الْأَمْرَ الَّذِي فِيهِ تَسْتَفْتِينَ ۝
 وَقَالَ لِلَّذِي ظَنَّ أَنَّهُ نَاجٍ مِنْهُمَا اذْكُرْنِي عِنْدَ
 رَبِّكَ ۖ فَأَنَسَّهُ الشَّيْطَانُ ۖ ذَكَرَ رَبَّهُ فَلَبَّىٰ فِي السَّجْنِ
 بِضَعِّ سِنِينَ ۖ وَقَالَ الْمَلِكُ إِنِّي أَرَىٰ سَبْعَ بَقَرَاتٍ
 سِمَانٍ يَأْكُلُهُنَّ سَبْعٌ عِجَافٌ ۖ وَسَبْعَ سُنبُلَاتٍ خُضْرٍ
 وَأُخْرَىٰ يُسَبِّغُ بِآبِهَا الْهَلَا أَفْتُونِي فِي رُءْيَايَ إِن
 كُنْتُمْ لِلرُّءْيَا تَعْبُرُونَ ۝ قَالُوا أَضْغَاثَ أَحْلَامٍ ۖ
 وَمَا نَحْنُ بِتَأْوِيلِ الْأَحْلَامِ بِعِلْمٍ ۖ وَقَالَ الَّذِي
 نَجَّىٰ مِنْهُمَا وَادَّكَرَ بَعْدَ أُمَّةٍ أَنَا أُنَبِّئُكُمْ بِتَأْوِيلِهِ
 فَأَرْسِلُونِ ۖ يُوسُفُ أَيُّهَا الصِّدِّيقُ أَفْتِنَا فِي سَبْعِ
 بَقَرَاتٍ سِمَانٍ يَأْكُلُهُنَّ سَبْعٌ عِجَافٌ وَسَبْعِ
 سُنبُلَاتٍ خُضْرٍ وَأُخْرَىٰ يُسَبِّغُ ۖ لَعَلِّي أَرْجِعَ إِلَى النَّاسِ
 لَعَلَّهُمْ يَعْلَمُونَ

इ-यस्की रब्बहू पमरा ८ व अम्मल

तो अपने रब (बादशाह) को शराब पिलायेगा, रडा

आ-परु इ-युसुलहु इ-तर-कुलुत तयुरु

दूसरा वो सुली दिया जायेगा तो परिन्दे

मिर-र-सिह ७ कुदियल अम्मुल लगी हीहि

उसका सर भायेगे, हुकम हो युका उस बात का जिसका

तस्तइतियान ८ व काला लिदलगी मन्ना

तुम सवाल करते थे. और यूसुफ ने उन दोनों मेंसे

अन्नहू नाजिम मिन्हुममुरनी धन्दा

जिसे बयत समझ उससे कहा अपने रब (बादशाह) के पास मेरा

रजिह ९ इ-अन्साहुश शय्तानु जिकरा

जिकर करना, तो शैतान ने उसे भुला दिया के

रजिहही इ-लमिसा इस सिजिन भिद्या सिनीन १० व कालल मलिहु

अपने रब (बादशाह) के सामने यूसुफ का जिकर करे तो यूसुफ कहीं भरस और जेल जाने में रडा. और बादशाह ने कहा

धन्नी अरा सभ्या न-करातिन सिमानिय यर-कुलुहुन्ना सभिन धजाहुं

मैंने ज्वाब में देयी सात गाओं इरबा के उन्हें सात दुबली गाओं भा रडी हैं

व सभ्या सुम्बुलातिन पुदरिं व उ-भरा याभिसात ७ यो अय्युहल म-लठि

और सात बालें उरी और दूसरी सात सूभी अय दरबारियो

अइतूनी ही रुय-याया धन कुन्तुम लिर रुय-या तर-भुरून ० कालू अद्गासु

मेरी ज्वाब का जवाब दो अगर तुम्हें ज्वाबकी ता'बीर आती हो. बोले परेशान

अहलाम ८ पमा नहनु भि-तर-वीलिल अहलामि भि-आलिमीन ० व

ज्वाब हैं, और हम ज्वाबकी ता'बीर नहीं जानते. और

कालल लगी नज मिन्हुमा पद्-द-करा नर-दा उम्मतिन अना उनजिउकुम

बोला वो जो उन दोनों मेंसे बया था और ओक मुदत बाद उसे याद आया मैं तुम्हें

भि-तर-वीलिही इ-अरसिलून ० यूसुहु अय्युहस सिद्दीकु अइतिना ही सभ

ईसकी ता'बीर बताऊंगा मुझे भेजो. अय यूसुफ अय सिद्दीक हमें ता'बीर दीजिये सात

न-करातिन सिमानिय यर-कुलुहुन्ना सभिन धजाहुं व सभ सुम्बुलातिन

इरबा गायोंकी जिन्हें सात दुबली जाती हैं और सात उरी बालें

पुदरिं व उ-भरा याभिसातिल १ लअल्ली अरजिउ धलन नासि

और दूसरी सात सूभी, शायद मैं लोगोंकी तरफ लौटकर जाऊं

لَعَلَّهُمْ يَعْلَمُونَ ۝ قَالَ تَزَرَّ عَوْنٌ سَعَىٰ سَيْنِينَ دَابَّاءَ
فَمَا حَصَدْتُمْ فَذَرُوهُ فِي سُنْبُلِهِ إِلَّا قَلِيلًا مِّمَّا
تَأْكُلُونَ ۝ ثُمَّ يَأْتِي مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ سَبْعُ شِدَادٍ
يَأْكُلْنَ مَا قَدَّمْتُمْ لَهُنَّ إِلَّا قَلِيلًا مِّمَّا تَخَصِمُونَ ۝
ثُمَّ يَأْتِي مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ عَامٌ فِيهِ يُغَاثُ النَّاسُ
وَفِيهِ يَعْرِصُونَ ۝ وَقَالَ الْمَلِكُ ائْتُونِي بِهِ ۖ فَلَمَّا
جَاءَهُ الرَّسُولُ قَالَ ارْجِعْ إِلَىٰ رَبِّكَ فَسْأَلْهُ مَا بَالُ
النَّسْوَةِ الَّتِي قَطَعْنَ آيِدِيَهُنَّ ۖ إِنَّ رَبِّي بِبَيْدِهِنَّ
عَلِيمٌ ۝ قَالَ مَا خَطْبُكُنَّ إِذْ رَاوَدْتُنَّ يُوسُفَ عَنْ
نَفْسِهِ ۖ قُلْنَ حَاشَ لِلَّهِ مَا عَلِمْنَا عَلَيْهِ مِنْ سُوءٍ ۖ
قَالَتِ امْرَأَتُ الْعَزِيزِ النَّحْصُصَ الْحَقُّ ۖ أَنَا رَاوَدْتُهُ
عَنْ نَفْسِهِ ۖ وَإِنَّهُ لَمِنَ الصَّادِقِينَ ۝ ذَلِكَ لِيَعْلَمَ أَنِّي
لَمْ أَخُنْهُ بِالْغَيْبِ ۖ وَأَنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي كَيْدَ الْخَائِنِينَ ۝
وَمَا أَكْبَرُ

ल-अल्लहुम यर-लमून ० काला।
शायद वो आगाह हों. कडा

तम्-रठिना सभ्या सिनीना द-अभा द
तुम भेती करोगे सात भरस लगातार

इमा हसत्तुम इ-मरूहु की सुम्भुलिही
तो जो काटो उसे उसकी बालमें रेहने दो

धल्ला कलीलम मिम्मा तर-कुलून ०
मगर थोड़ा जितना भा लो.

सुम्मा यर-ती भिम भर-दि मालिका सभिन
फिर उसके बाद सात भरस करें (सप्त तंगी वाले) आएंगे

शिदाहुंय यर-कुल्ला मा इदम्तुम लहुन्ना
के भा जायेंगे जो तुमने उनके लिये पेड़ले जमा' कर

धल्ला कलीलम मिम्मा तुहसिनून ० सुम्मा यर-ती भिम भर-दि मालिका
रम्भा था मगर थोड़ा जो बना लो. फिर उनके बाद एक भरस आयेगा

आमुन इही युगासुन नासु व इही यर-सिरून ० व कालल मलिफुर-तूनी
जिसमें लोगोंको भेड़ दिया जायेगा और उसमें रस नियोधेंगे. और बादशाह बोला के उन्हे मेरे पास

मिह द इ-लम्मा ज-अहुर रसूलु कालरजिय् धला रठिना इर-अल्लु मा डालुन
लेआओ तो जब उसके पास अलखी आया कडा अपने रब (बादशाह) के पास पलट जा फिर उससे

निरपतिल लाती कत्तर-ना अय्दि-यहुन्न ५ धन्ना रठिनी भि-कय्दिहिन्ना
पूछ क्या डाल है उन औरतों का जिन्होंने अपने हाथ काटे थे, बेशक मेरा रब उनका इरेब

अलीम ० काला मा अल्लुहुन्ना धर रापत्तुन्ना यूसुफ् अन नइसिह ५
जानता है. बादशाह ने कडा अय औरतो तुम्हारा क्या काम था जब तुमने यूसुफ का दिल लुभाना चाहा,

कुल्ला हाशा लिक्लाहि मा अलिम्मा अ-लय्हि भिन सूय् ५ का-लतिम्-
बोलीं अल्लाहको पाकी है हमने उनमें कोई बद्दी नहीं पाई,

र-अतुल अमीमिल आना हरहसल हक्कु ५ अना रापत्तुहू अन नइसिही
अजीज की औरत बोली अब असली बात भुल गई मैंने उनका जो लुभाना चाहा था

व धन्नहू ल-मिनस सादिकीन ० मालिका लि-यर-लमा अन्नी लम
और वो बेशक सच्ये हैं. यूसुफ ने कडा ये मैंने इसलिये किया के अजीज को मा'लूम हो जाये

अप्पुन्हु भिल गय्भि व अन्नल्लाहा ला यहदी कय्दल जाधनीन ०
के मैंने पीछ पीछे उसकी भयानत न की और अल्लाह दगाबाजों का मक नही रखने देता.